भाद्रपद शुक्ल - 2 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 33 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 25-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भारतीय क्रिकेट में धैर्य और एकाग्रता की प्रतिमूर्ति रहे हैं पुजारा

6 हरतालिका तीज : स्त्रियों की आस्था एवं संकल्प का पर्व

7 मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने फिल्म सेट से दिया हिंट

फर्स्ट टेक

नाइजीरियाई सेना ने हवाई हमला करके बच्चों सहित 76 बंधकों को मुक्त कराया

अबूजा (नाइजीरिया)/एपी। नाइजीरिया की सेना ने देश के उत्तर-पश्चिम में आतंकवादियों पर सटीक हवाई हमले करके बच्चों समेत कम से कम 76 बंधकों को उनके चंगुल से मुक्त करा लिया है। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्य के आंतरिक सुरक्षा आयुक्त नासिर मुअजू ने एक बयान में बताया कि शनिवार तड़के कटसीना राज्य के कंकारा इलाके में स्थित पाउवा हिल के आसपास के ठिकानों पर हवाई हमले किए गए। यह हवाई हमला एक कुख्यात अपहरणकर्ता की तलाश में किया गया। आयुक्त ने बताया कि बचाए गए बंधकों में वे लोग भी शामिल हैं, जिन्हें उन्गुवान मंतौ की एक मस्जिद पर हुए हमले के दौरान अगवा कर लिया गया था।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान के समक्ष 1971 के युद्ध से जुड़े लंबित मुद्दे उठाए

ढाका/भाषा। बांग्लादेश ने रविवार को पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार के समक्ष 1971 के युद्ध के लिए माफी मांगने समेत लंबित मुद्दों को उठाया। डार 2012 के बाद से ढाका का दौरा करने वाले पाकिस्तान के सबसे वरिष्ठ नेता हैं। डार बांग्लादेश की दो दिवसीय यात्रा पर शनिवार को ढाका पहुंचे थे। उनका उद्देश्य लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना के पद से हटने के बाद बांग्लादेश के साथ संबंधों को फिर से बेहतर बनाना है। डार ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विदेश सलाहकार एम तौहीद हुसैन के साथ बातचीत की। तौहीद हुसैन ने डार के साथ मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, ''हमने अनसुलझे मुद्दे उठाए हैं, जैसे 1971 के लिए माफी या खेद व्यक्त करना, संपत्तियों पर दावा, तथा फंसे हुए पाकिस्तानी नागरिकों का मामला।''

इसरो ने गगनयान पैराशूट प्रणाली के लिए पहला 'एयर-ड्रॉप' परीक्षण पूरा किया

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आगामी गगनयान मिशन के लिए पैराशूट आधारित गति धीमी करने से संबंधित प्रणाली को परखने के लिए रविवार को पहला एकीकृत 'एयर ड्रॉप' परीक्षण (आईएडीटी-01) सफलतापूर्वक किया। इसरो के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यह परीक्षण आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा के निकट किया गया। यह अभ्यास इसरो, भारतीय वायु सेना, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

25-08-2025 सूर्यास्त 6:35 बजे | 26-08-2025 सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
81,306.85	24,870.10
(-693.86)	(-213.65)

सोना	चांदी
10,418 रु.	117,035 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बहरूपिए

जय लिंगायत जय भीम कभी,
जय जय श्री राम लगा नारे।
जय शिव भोले जय जिनवाणी,
'धन निरंकार' धुन उच्चारे।
चादरें चढ़ा पूजा करते,
टोपी पगड़ी सब स्वीकारे।
वोटों खातिर बहरुपियों ने,
देखो कितने बानक धारे।।

रोजगार के अधिकतम अवसर सृजित करने पर सरकार का ध्यान : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- स्किल इंडिया मिशन के तहत करोड़ों युवाओं को अलग-अलग क्षेत्रों में कुशल जनशक्ति के रूप में तैयार किया जा रहा है।
- सरकार का ध्यान 'स्टार्ट अप इंडिया' और मुद्रा योजना के माध्यम से युवाओं के लिए रोजगार के अधिकतम अवसर पैदा करने पर है।

अहमदाबाद/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार का ध्यान युवाओं के लिए रोजगार के अधिकतम अवसर सृजित करने पर है। मोदी ने अहमदाबाद में एक कार्यक्रम को वीडियो लिंक के माध्यम से संबोधित करते हुए युवाओं से स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर आत्मनिर्भर बनने के देश के प्रयासों का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि केवल 'ऑपरेशन सिंदूर' ही देशभक्ति नहीं है, बल्कि उन्होंने व्यापारियों से केवल स्वदेशी वस्तुएं बेचने का निर्णय लेने की अपील की। उन्होंने कहा, ''हमने 'स्किल इंडिया मिशन' शुरू किया, जिसके तहत करोड़ों युवाओं को अलग-अलग क्षेत्रों में कुशल जनशक्ति के रूप में तैयार किया जा रहा है। आज दुनिया का एक बड़ा हिस्सा उम्र बढ़ने की समस्या में फंसा हुआ है; उन्हें युवाओं की जरूरत है और भारत में दुनिया को युवा देने की क्षमता है।''

मोदी ने अहमदाबाद के सरदारधाम फेज-11 में एक बालिका छात्रावास का शिलान्यास करने के बाद कहा, ''अगर आज युवा कुशल हैं, तो उनके लिए रोजगार की अनेक संभावनाएं हैं। वे आत्मनिर्भर बनते हैं, इससे उन्हें शक्ति मिलती है।'' उन्होंने बेटियों की प्रगति में समाज के सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा प्रणाली में कई बदलाव किए हैं, जिसमें कौशल पर सबसे अधिक जोर दिया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार का ध्यान 'स्टार्ट अप इंडिया' और मुद्रा योजना के माध्यम से युवाओं के लिए रोजगार के अधिकतम अवसर पैदा करने पर है। उन्होंने कहा, ''आज भारत में 'स्टार्टअप' की संख्या दो लाख के करीब पहुंच गई है। हमने मुद्रा योजना शुरू की। इसके तहत युवाओं को स्वरोजगार के लिए 33 लाख करोड़ रुपये दिए गए हैं। इससे लाखों युवा आत्मनिर्भर बन चुके हैं और दूसरों को भी आत्मनिर्भर बना रहे हैं।''

मोदी ने कहा कि दुनिया भारत के श्रम के साथ-साथ उसकी प्रतिभा को भी महत्व देती है और उसकी अहमियत को समझती है, जिससे विभिन्न देशों में नए अवसर पैदा हुए हैं।

लोकतंत्र में सार्थक बहस और चर्चा की महत्वपूर्ण भूमिका : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- विरोध के नाम पर पूरे सत्र को बाधित करने की बढ़ती प्रवृत्ति चिंता का विषय है।
- बहस रचनात्मक संवाद के माध्यम से होनी चाहिए, न कि राजनीतिक लाभ के लिए कार्यवाही में बाधा डालकर।

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को एक स्वस्थ लोकतंत्र में सार्थक बहस और चर्चा की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर देते हुए कहा कि जनता की चिंताओं के समाधान के लिए विचार-विमर्श सबसे अच्छा माध्यम है।

दिल्ली विधानसभा में आयोजित ' ऑल इंडिया स्पीकर्स कांफ्रेंस' कार्यक्रम में बोलते हुए श्री शाह ने कहा, अगर संसद या विधानसभाओं में बहस नहीं होगी, तो ये इमारतें बेजान हो जाएंगी। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सदन के अध्यक्ष के नेतृत्व में और सभी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से, ये संस्थाएं जीवंत बनती हैं और राष्ट्र तथा राज्यों के हितों की सेवा करने में सक्षम बनती हैं। उन्होंने संसदीय विपक्ष में संयम बरतने का भी आह्वान करते हुए कहा कि लोकतंत्र में प्रतीकात्मक विरोध का अपना स्थान है, लेकिन विरोध के नाम पर पूरे सत्र को बाधित करने की बढ़ती प्रवृत्ति चिंता का विषय है।

शाह ने कहा, सदन में विपक्ष को संयम से काम लेना चाहिए। प्रतीकात्मक विरोध का भी अपना स्थान है, लेकिन विरोध के बहाने पूरे सत्र को बाधित करने की परंपरा बनाना नागरिकों और उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए चिंतन का विषय है। क्योंकि जब चर्चा समाप्त हो जाती है, तो राष्ट्रीय विकास में सदन का योगदान न्यूनतम हो जाता है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि बहस रचनात्मक संवाद के माध्यम से होनी चाहिए, न कि राजनीतिक लाभ के लिए कार्यवाही में बाधा डालकर। उन्होंने कहा, जब राजनीतिक स्वार्थों के कारण संसद और विधानसभाओं को चलने से रोका जाता है, तो वास्तविक बहस नहीं हो पाती।

केंद्रीय गृहमंत्री ने भी केंद्रीय विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष विट्ठलभाई पटेल के योगदान की प्रशंसा की और भारत की विधायी परंपराओं और लोकतांत्रिक संस्थाओं को आकार देने में उनकी अनुकरणीय भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा, विधानसभा अध्यक्ष का पद अत्यंत महत्वपूर्ण है।

गगनयान मिशन आत्मनिर्भर भारत की यात्रा में नए अध्याय का प्रतीक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और अन्य तीन चुने गए गगनयात्रियों को देश के ''रत्न'' एवं राष्ट्रीय आकांक्षाओं के अग्रदूत करार देते हुए रविवार को कहा कि गगनयान मिशन आत्मनिर्भर भारत की यात्रा में एक ''नए अध्याय'' का प्रतीक है।

सिंह ने यहां सुब्रतो पार्क में भारतीय वायुसेना द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में चार गगनयात्रियों को सम्मानित किया। यह समारोह 'एक्सिओम 4' मिशन की सफलता के बाद आयोजित किया गया है जिसमें शुक्ला भी शामिल थे और उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

सिंह ने कहा, हम अंतरिक्ष को केवल अनुसंधान के क्षेत्र के रूप में नहीं, बल्कि कल की अर्थव्यवस्था, सुरक्षा, ऊर्जा एवं मानवता के भविष्य के रूप में भी देखते हैं। उन्होंने कहा कि भारत पृथ्वी की सतह से आगे बढ़कर ''अंतरिक्ष के नए क्षेत्रों'' की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है।

रक्षा मंत्री ने कहा, हम चंद्रमा से लेकर मंगल तक अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं और आज देश गगनयान जैसे अभियानों के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने इस उपलब्धि को न केवल प्रौद्योगिकी की दृष्टि से मील का पत्थर बताया, बल्कि ऐसे समय में ''आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी एक नया अध्याय बताया, जब हम दुनिया की अग्रणी अंतरिक्ष शक्तियों के बीच गर्व से खड़े हैं।

सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम केवल प्रयोगशालाओं और प्रक्षेपण यानों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि ''हमारी राष्ट्रीय आकांक्षाओं एवं वैश्विक दृष्टिकोण का प्रतिबिंब'' है। उन्होंने कहा, चंद्रयान से लेकर मंगलयान तक हमने यह दिखाया है कि सीमित संसाधनों के साथ भी असीमित इच्छाशक्ति सबसे चुनौतीपूर्ण लक्ष्यों को उल्लेखनीय उपलब्धियों में बदल सकती है।

'भारत का लक्ष्य 2047 तक दुनिया के शीर्ष पांच देशों में शामिल होना'

अहमदाबाद/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को कहा कि भारत का लक्ष्य 2047 तक खेलों में दुनिया के शीर्ष पांच देशों में शामिल होना है। मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने खेल क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है और इस क्षेत्र में कई सुधार किए गए हैं। मांडविया ने रविवार को यहां राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह के दौरान कहा, ''प्रधानमंत्री ने अगले 10 वर्षों में देश को दुनिया के शीर्ष 10 खेलों में शामिल करने का लक्ष्य रखा है। हमने 2036 में ओलंपिक के लिए दावेदारी पेश की है। 2047 में हम अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाएंगे और प्रधानमंत्री मोदी ने तब तक खेलों की दुनिया के शीर्ष पांच देशों में शामिल होने का लक्ष्य रखा है।'' उन्होंने कहा, ''खेलों में एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए, देश को खेलों में प्रगति दिलाने के लिए हमने एक योजना 'टारगेट पोडियम ओलंपिक' बनाई।

भारत ने एकीकृत हवाई रक्षा प्रणाली का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने उभरते क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य के मद्देनजर अपनी बढ़ती सैन्य क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए ओडिशा तट से एकीकृत हवाई रक्षा हथियार प्रणाली (आईएडीडब्ल्यूएस) का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार आईएडीडब्ल्यूएस एक बहुस्तरीय हवाई रक्षा प्रणाली है जिसमें त्वरित प्रतिक्रिया वाली सतह से हवा में मार करने वाली स्वदेशी मिसाइल (क्यूआरएसएएम), बहुत कम दूरी की हवाई रक्षा प्रणाली (वीएसएचओआरएडीएस) मिसाइल और उच्च शक्ति वाली लेजर आधारित निर्देशित ऊर्जा हथियार (डीईडब्ल्यू) प्रणाली शामिल हैं। स्वदेशी हवाई रक्षा प्रणाली का शनिवार 12:30 बजे ओडिशा तट से उड़ान परीक्षण किया गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उड़ान परीक्षणों के लिए आईएडीडब्ल्यूएस को विकसित करने वालों, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और सशस्त्र बलों को बधाई दी। नई हवाई रक्षा प्रणाली का उड़ान परीक्षण ऑपरेशन सिंदूर के साढ़े तीन महीने बाद हुआ है।

केंद्र की अक्षमता छिपाने के लिए शाह ने न्यायमूर्ति रेड्डी पर निशाना साधा : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- जब भाजपा संविधान को ''नुकसान पहुंचाने'' की कोशिश कर रही है, तब संविधान की रक्षा के लिए उनकी (रेड्डी) जरूरत है।

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने विपक्ष की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बी सुदर्शन रेड्डी पर नक्सलवाद को लेकर निशाना साधने के लिए रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आलोचना की। स्टालिन ने आरोप लगाया कि केंद्र नक्सलवाद को समाप्त नहीं कर सका और अपनी अक्षमता को छिपाने के लिए शाह ने न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रेड्डी को ''नक्सल'' करार दिया।

न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रेड्डी का समर्थन करने के लिए विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं, तमिलनाडु से लोकसभा और राज्यसभा सदस्यों की एक बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि रेड्डी उपराष्ट्रपति पद के लिए पूरी तरह से योग्य उम्मीदवार हैं।

स्टालिन ने कहा कि न केवल 'इंडि' गठबंधन के घटक दल, बल्कि लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले सभी लोगों ने उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में केवल रेड्डी को ही स्वीकार किया। उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश के कानूनी और न्यायिक करियर को रेखांकित करते हुए स्टालिन ने कहा कि रेड्डी ने अपना जीवन कानून और न्याय के लिए समर्पित कर दिया और संविधान की गरिमा को बनाए रखा। मुख्यमंत्री ने पूछा, ''आज उनकी जरूरत क्यों है?'' और उन्होंने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा कि जब भाजपा संविधान को ''नुकसान पहुंचाने'' की कोशिश कर रही है, तब संविधान की रक्षा के लिए उनकी (रेड्डी) जरूरत है।

हूती विद्रोहियों को निशाना बनाते हुए

इजराइल ने किए यमन की राजधानी में हवाई हमलें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काहिरा/एपी। यमन की राजधानी सना में रविवार तड़के इजराइली हवाई हमले हुए। स्थानीय मीडिया की खबरों में यह जानकारी दी गई। खबर के अनुसार, ईरान समर्थित विद्रोहियों द्वारा इजराइल पर क्लस्टर बम दागे जाने के कुछ ही दिन बाद इजराइल का यह हमला हुआ है। हूती मीडिया कार्यालय ने बताया कि सना के बिजलीघर और गैस स्टेशन समेत कई इलाकों को निशाना बनाया गया। निवासियों ने बताया कि राष्ट्रपति भवन के पास समेत कई इलाकों में धमाकों की तेज आवाज़ें सुनी गईं। विद्रोहियों के कब्जे वाले सना पर एक सप्ताह पहले किए गए हमले के वक्त इजराइल ने कहा था कि हमलों में ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाया गया, जिसके बारे में माना जाता है कि इसका इस्तेमाल विद्रोहियों द्वारा किया जाता था। इजराइल ने रविवार के हमले की पुष्टि नहीं की।

ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने 22 महीनों से भी ज़्यादा समय से इजराइल पर मिसाइल और ड्रोन दागे हैं तथा लाल सागर में जहाजों को निशाना बनाया है। हूती विद्रोहियों का कहना है कि वे गाज़ा पट्टी में युद्ध के बीच फलस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए ये हमले कर रहे हैं।

यूक्रेन ने रूस की तेल रिफाइनरियों पर हमले तेज़ किए

कीव/भाषा। यूक्रेन के रूस की तेल रिफाइनरियों पर हमलों में वृद्धि के कारण रूस में पेट्रोल की कीमतें रिकॉर्ड ऊँचाई पर पहुँच गई हैं जबकि सरकार ने इस संकट से निपटने के लिए पेट्रोल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन रूसी युद्ध मशीनों को नुकसान पहुँचाने के लिए रिफाइनरियों, पंपिंग स्टेशनों और ईंधन ट्रेनों पर ड्रोन हमलों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है साथ ही रूस में दैनिक जीवन को भी बाधित करने की कोशिश कर रहा है। गर्मियों में रूस के ड्राइवरों और किसानों के बीच पेट्रोल की माँग चरम पर होती है। सीएनएन द्वारा किए गए हमलों की गणना के अनुसार यूक्रेनी ड्रोन ने अकेले इस महीने कम से कम 10 प्रमुख रूसी ऊर्जा संयंत्रों पर हमला किया है।

देश की सांस्कृतिक शक्ति करेगी दुनिया का नेतृत्व : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली/भाषा। भारत वसुधैव कुटुंबकम में विश्वास करता है, लेकिन अगर कोई दादागिरी करेगा तो हम शांत नहीं बैठेंगे क्योंकि हमारे लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यहां भारत मंडपम में गायत्री परिवार के कार्यक्रम 'राष्ट्र के जागरण का समय आ गया' में अपने संबोधन के दौरान यह बात कही।

चौहान ने इस अवसर पर लोगों को नशा से मुक्ति की शपथ दिलायी और सभी स्वदेशी का संकल्प लेने और देश में बने उत्पाद खरीदने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यटन एवं सांस्कृतिक मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, जनजातीय विभाग के केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गा दास उइके और स्वामी नारायण संस्था के अंतरराष्ट्रीय प्रमुख एवं आबूधामी अक्षरधाम मंदिर के संस्थापक स्वामी ब्रह्म बिहारी गायत्री भी मौजूद थे। चौहान ने कहा कि इस समय देश में राष्ट्रीय जागरण का महायज्ञ चल रहा है, इसमें कौन कितनी आहूतियां डाल पाता है यह सौभाग्य की बात है। देश के नागरिकों के संकल्प से ही इसे साकार किया जा सकता है। चौहान ने कहा कि इस समय देश में वैश्विक परिस्थितियों के चलते हालात उथल पुथल वाले हैं। भारत 'वसुधैव कुटुंबकम' में विश्वास करता है, लेकिन कोई दादागिरी करेगा तो हम शांत नहीं बैठेंगे क्योंकि हमारे लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि है।

जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में भारी बारिश, जम्मू-पठानकोट राजमार्ग पर पुल क्षतिग्रस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के अधिकतर हिस्सों में शनिवार रातभर हुई भारी बारिश के कारण कई निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं और जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक महत्वपूर्ण पुल क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

शीतकालीन राजधानी जम्मू में रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे की अवधि में 190.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो एक सदी में इस माह में हुई दूसरी सबसे अधिक बारिश है। इससे पहले अगस्त में पांच अगस्त 1926 को सबसे अधिक 228.6 मिलीमीटर दर्ज की गई थी। अधिकारियों ने चेतावनी जारी कर लोगों से अपील की है कि वे जलस्रोतों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहें। मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार, 27 अगस्त तक पहाड़ी इलाकों में मध्यम से भारी बारिश, बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन की आशंका है।

यातायात पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि रणनीतिक रूप से अहम 250 किलोमीटर लंबा जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग और 434 किलोमीटर लंबा श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग भारी बारिश के बावजूद यातायात के लिए खुला है। हालांकि, पुंछ और राजौरी (जम्मू) को दक्षिण कश्मीर के शोपियां से जोड़ने वाली मुगल रोड और जम्मू के किश्तवाड़ एवं डोडा जिलों को अनंतनाग (दक्षिण कश्मीर) से जोड़ने वाली सिंथन रोड पर विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन के कारण आवाजाही बंद कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि कठुआ जिले में भारी बारिश के कारण सहर खड्ड नाले के उफान पर होने के कारण जम्मू-पठानकोट राजमार्ग पर लोगेट मोड़ के पास एक पुल बीच से क्षतिग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि इसके बाद राजमार्ग पर यातायात को वैकल्पिक पुल के रास्ते से भेजा जा रहा है। जम्मू शहर में भारी बारिश के कारण सामान्य जीवन प्रभावित हो गया। नालों और नदियों का जलस्तर बढ़ने के कारण सड़कें जलमग्न हो गईं और जानीपुर, रूप नगर, तालाब तिल्लो, ज्वेल चौक, न्यू प्लॉट और संजय नगर जैसे इलाकों में पानी घरों में घुस गया। अधिकारियों ने बताया कि कई घरों की चारदीवारी भी क्षतिग्रस्त हो गईं, जबकि लगभग 12 वाहन अचानक आई बाढ़ में बह गए।

'मातृछाया' फिर आयोजित करेगी 16 सितम्बर से नि:शुल्क प्रदर्शनी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मातृछाया जैन महिला संगठन द्वारा रविवार को आयोजित बैठक में आगामी 16 सितम्बर से दो दिवसीय नि:शुल्क प्रदर्शनी का आयोजन होटल त्रिशला रेजीडेंसी में करने का निर्णय लिया गया। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज के भाई-बहनों को बिना किसी आर्थिक बोझ के अपनी व्यवसायिक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देना। इस प्रदर्शनी में सभी स्टॉल पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि इस सामाजिक व व्यावसायिक उत्थान की पहल को जयंतीलाल बालर एवं कांता समदड़िया का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। पुष्पा बाफना, रेशमा बड़ोला, मोनिका जैन एवं नीलम ललवानी इसकी तैयारियों में जुटे हैं। इस प्रदर्शनी में लगभग 50 स्टॉल लगाए जाएंगे।

माहेश्वरी भवन में 42 बालिकाओं को लगाई गई सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के माहेश्वरी भवन में माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा रविवार को 9 वर्ष से लेकर 26 वर्ष की उम्र वर्ग की लड़कियों के लिए सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन डोज शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रोजेक्ट के निदेशक वेंकटेश श्रीनिवास गिलड़ा, क्लाउडनाइन हास्पिटल की डॉ प्रेरणा भट्टड़ व डॉ सुप्रिता रंगसस्वामी, माहेश्वरी सभा के सचिव अजय राठी, महिला संगठन की अध्यक्षा श्वेता बियाणी, सलाहकार सदस्य कृष्णा डागा, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी भगवान बल्दवा, माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन प्रहलाद आगीवाल, माहेश्वरी सौहार्द कॉपरेटिव सोसायटी के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डागा ने भगवान उमा महेश की पूजा कर दीप प्रज्वलित किया। वेंकटेश श्रीनिवास ने बताया कि कर्नाटक में अभी तक 500 से अधिक बालिकाओं को इस वेक्सीन का लाभ मिल चुका है। इस वैक्सीन के लगाए जाने के बाद कैंसर जैसी भयानक बीमारी से बचा जा सकता है। इस शिविर में 42 बालिकाओं को वैक्सीन दी गई। कार्यक्रम का संचालन गायत्री मालपानी ने किया।

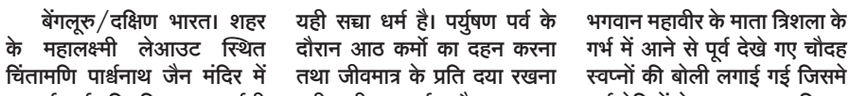

बाबा गणिनाथ महाराज का वार्षिकोत्सव मनाय गया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय बीजीएमएसटी के तत्वावधान में आरटीनगर स्थित बिहार भवन में रविवार को संत शिरोमणि बाबा गणिनाथजी का वार्षिक महोत्सव एवं स्वजातीय मिलन समारोह सम्पन्न हुआ। ट्रस्ट के संस्थापक ओमप्रकाश गुप्ता, सुभाषचंद्र गुप्ता, संजीतकुमार गुप्ता, रमेश गुप्ता ने सभी स्वजातीय बंधुओं को एकजुट रहने एवं ट्रस्ट को नई ऊंचाई पर ले जाने पर बल दिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष उदय कुमार शामिल हुए। ट्रस्ट की ओर से उदयकुमार का सम्मान किया गया। ट्रस्ट ने बच्चों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें बच्चों को पुरस्कार वितरण किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष ललनप्रसाद गुप्ता सहित अन्य सदस्यों ने बाहर से आए सदस्यों का सम्मान किया।

विट्ठलभाई पटेल ने भारत को लोकतंत्र की जननी बनाने नींव डाली: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि वह विट्ठलभाई पटेल ही थे जिन्होंने भारत को 'लोकतंत्र की जननी' बनाने की नींव रखी।

ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में गुप्ता ने अपने संबोधन में याद दिलाया कि कैसे 100 साल पहले, ब्रिटिश काल में पटेल केंद्रीय विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में सेवा देने वाले पहले भारतीय बने थे। उन्होंने कहा, उस क्षण ने अवश्य ही भारतीयों के दिलों में चिंगारी जला दी होगी - दिखाया कि ब्रिटिश शासन में भी एक भारतीय अपनी आवाज उठा सकता है और सदन में उसकी बात सुनी जा सकती है। गुप्ता ने कहा कि विट्ठलभाई ने एक ऐसे भविष्य की कल्पना की होगी जब भारत स्वतंत्र होगा तथा भारतीय अपने संविधान एवं झंडे के नीचे ऐसी सभाओं में एकत्रित होंगे और अपने राज्यों और राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करते हुए जन कल्याण के लिए नीतियां तैयार करेंगे। मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा, विट्ठलभाई पटेल के फैसलों की कभी किसी ने आलोचना नहीं की। उन्होंने ही भारत को लोकतंत्र की जननी बनाने की नींव रखी थी।

'लाडकी बहिन योजना' की अवैध लाभार्थियों को रोकेंगे: फडणवीस

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार कुछ लोगों द्वारा 'लाडकी बहिन योजना' के तहत अवैध रूप से लिए जा रहे लाभों पर रोक लगाएगी। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत कथित तौर पर मासिक लाभ का दावा करने वाली 26 लाख से अधिक लाभार्थियों की जांच की जा रही है। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, कुछ लोग अवैध तरीके से योजना का लाभ उठा रही हैं जिसे रोका जाएगा।

अधिकारियों ने बताया था कि इस योजना के तहत प्रति परिवार 21 से 65 वर्ष की आयु की केवल दो महिलाओं को ही लाभ मिलता है। हालांकि, ऐसे मामले सामने आए हैं जहां एक ही परिवार की दो से ज़्यादा महिलाओं, या इस आयु वर्ग से बाहर की महिलाओं ने 1,500 रुपए की मासिक राशि का लाभ उठाया है।

राज्य सरकार ने व्यापक अपात्रता और दुरुपयोग के संदेह के बीच 'मुख्यमंत्री लाडकी बहिन योजना' की 26 लाख से अधिक लाभार्थियों को लक्षित करते हुए बड़े पैमाने पर सत्यापन अभियान का आदेश दिया था।

लघु उद्योग ने भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक स्तर पर चौथे स्थान पर पहुंचाया : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को कहा कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है और काफी हद तक इसका श्रेय लघु उद्योग को जाता है।

मुख्यमंत्री ने गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में लघु उद्योग भारती के नवनिर्मित राज्य कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद कहा, छह करोड़ से ज्यादा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 30 प्रतिशत और कुल निर्यात में 45 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि लघु और कुटीर उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ हैं और इनके विकास से राष्ट्र को मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि एमएसएमई सहित संस्थागत या बैंक ऋणों के भुगतान के तुरंत बाद गिरवी रखी गई संपत्तियां वापस कर दी जाएंगी। यादव ने कहा, हम समाज के सभी वर्गों का कल्याण सुनिश्चित करते हुए उद्योगों के विस्तार के लिए उद्योगपतियों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेंगे। एमएसएमई उद्योगों को एक कार्य योजना के तहत एक निश्चित समय-सीमा के भीतर उनकी स्थापना से संबंधित सभी स्वीकृतियां प्राप्त होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में रोजगार-आधारित उद्योग स्थापित करने वाले उद्यमियों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। साथ ही नए आईटीआई, पॉलिटेक्निक कॉलेजों और इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिए अनुदान के प्रावधानों का भी विस्तार किया जा रहा है। अनुसंधान को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों का जिक्र करते हुए, यादव ने कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), इंदौर के साथ घरेलू और विदेशी संस्थानों के साथ अध्ययन केंद्र स्थापित करने के लिए चर्चा चल रही है।

राहुल गांधी को बिहार चुनाव में एक और हार का सता रहा डर : ठाकुर

शिमला/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस उनके नेतृत्व में पहले ही लगभग 90 चुनाव हार चुकी है और अब उन्हें आगामी बिहार चुनाव में एक और हार का डर सता रहा है।

हमीरपुर में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद ठाकुर ने आरोप लगाया कि राहुल हर चुनावी हार के बाद वीवीपैट या ईवीएम को दोष देते हैं और अब, चुनावों से पहले ही, वह निर्वाचन आयोग के बारे में निराधार बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्षी नेताओं ने देश की संवैधानिक संस्थाओं में विश्वास खो दिया है। ठाकुर ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों के कार्यकाल के दौरान संवैधानिक संस्थाओं को मज़बूत करने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ सख्त कानून लाने के प्रयास किए हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए ठाकुर ने कहा कि दिल्ली में कुछ मंत्री जेल से ही फाइल पर हस्ताक्षर करते थे और फैसले लेते थे, जो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, भ्रष्ट नेताओं को अपने पदों से इस्तीफा दे देना चाहिए।

हैदराबाद जैव प्रौद्योगिकी, औषधि और चिकित्सा प्रौद्योगिकी नवाचार में तेजी से उभर रहा: रेड्डी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार को कहा कि हैदराबाद विनिर्माण से लेकर जैव प्रौद्योगिकी, औषधि और चिकित्सा प्रौद्योगिकी में नवाचार में तेजी से उभर रहा है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा विज्ञप्ति के अनुसार हैदराबाद में एआईजी अस्पताल में आयोजित 'बायोडिजाइन इनोवेशन समिट' में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि बायोडिजाइन तकनीक के जरिए चिकित्सीय उत्पादों में नवाचार के लिए राज्य सरकार शुरुआत से अंत तक पूरा सहयोग देगी। रेवंत रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद में उत्तम शैक्षिक संस्थान, कौशल विकास और उद्योग साझेदारी का एक अच्छा तालमेल है।

ई20 पेट्रोल के कारण ईंधन दक्षता में 2-5% की गिरावट संभव: कार विशेषज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाहनों में 20 प्रतिशत एथनॉल (ई20) मिश्रित पेट्रोल के इस्तेमाल से कारों के प्रकार के आधार पर ईंधन दक्षता में 2-5 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। ऑटोमोटिव उद्योग के विशेषज्ञों ने यह बात कही।

वाहनों पर ई20 ईंधन के प्रभाव को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही बहस के बीच कुछ प्रमुख वाहन विनिर्माताओं के साथ काम करने वाले इंजीनियरों से पीटीआई-भाषा ने बात की। उन्होंने कहा कि पुराने वाहनों, जो ई20 मानकों के अनुरूप नहीं हैं, में लंबे समय में गैस्केट, ईंधन रबर होज और पाइप का क्षरण हो सकता है, लेकिन ऐसा तुरंत नहीं होगा।

नाम न छापने की शर्त पर एक विशेषज्ञ ने कहा, वाहन के प्रकार के आधार पर माइलेज में 2-5 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। ऐसा पूरी तरह से पेट्रोल की तुलना में इथेनॉल के कम कैलोरी मान के कारण है। इस महीने की शुरुआत में तेल मंत्रालय ने स्पष्ट किया था कि ''यह आलोचना कि ई20 ईंधन दक्षता में भारी कमी लाता है, गलत है। हालांकि इसमें ईंधन दक्षता में प्रतिशत गिरावट का उल्लेख नहीं किया गया था।

टिप्पणी के लिए संपर्क करने पर प्रमुख वाहन विनिर्माताओं मारुति सुजुकी और हुंदै मोटर इंडिया ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

टाटा मोटर्स के एक प्रवक्ता ने कहा, हमारे वाहन ई20 के अनुरूप हैं।

एक अन्य विशेषज्ञ ने कहा, ई20 के उपयोग का अनुपालन करने वाले वाहनों के इंजनों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांकि, ई20 के अनुकूल नहीं होने वाले वाहनों में लंबे समय में गैसकेट और ईंधन रबर होज और पाइप का क्षरण हो सकता है, लेकिन ऐसा तुरंत नहीं होगा।

स्टारलिंक को भारतीय आंकड़ों की विदेशों में प्रतिलिपि बनाने की अनुमति नहीं: दूरसंचार राज्यमंत्री

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार राज्य मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने कहा कि सरकार ने स्टारलिंक के घरेलू कानूनों का पालन करने पर सहमति व्यक्त करने के बाद उसे लाइसेंस दिया है।

घरेलू कानून में सुरक्षा शर्तें भी शामिल हैं, जो इसे विदेशों में आंकड़ों की प्रतिलिपि रखने और उसे पढ़ने लायक बनाने तथा विदेश में स्थापित किसी भी सिस्टम पर भारतीय उपयोगकर्ता ट्रैफिक को प्रतिबिंबित करने से रोकती हैं। मंत्री ने बताया कि सुरक्षा शर्तों के तहत उपग्रह संचार प्रदाताओं को भारत में अर्थ स्टेशन गेटवे स्थापित करना अनिवार्य है, जिसके माध्यम से उपग्रह से उपयोगकर्ताओं तक संचार भेजा जाता है। दूरसंचार विभाग ने स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशंस प्राइवेट लि. को एक एकीकृत लाइसेंस (यूएल) प्रदान किया है। यह लाइसेंस तब दिया गया जब अमेरिकी कंपनी ने एकीकृत लाइसेंस से जुड़े नियमों और शर्तों पर सहमति व्यक्त की। इसमें सुरक्षा शर्तें भी शामिल हैं जो सभी उपग्रह आधारित संचार सेवाएं देने वाली कंपनियों पर लागू होती हैं। मंत्री ने कहा, सुरक्षा शर्तों में अन्य बातों के साथ-साथ उपग्रह आधारित संचार सेवाएं प्रदान करने के लिए भारत में अर्थ स्टेशन गेटवे की स्थापना शामिल है, जिसमें भारत से आने वाले या भारत के लिए जाने वाले किसी भी उपयोगकर्ता ट्रैफिक को भारत के बाहर स्थित किसी भी गेटवे के माध्यम से नहीं भे जाएगा।

आत्मा की अज्ञानता दूर करना यही सच्चा धर्म है : आचार्य प्रभाकरसूरी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने पर्युषण पर्व के पांचवें दिवस पर कल्पसूत्र वांचन के अन्तर्गत प्रभु महावीर जन्मवांचन हुआ। इस दौरान आचार्यश्री ने कहा कि आत्मा की अज्ञानता दूर करना यही सच्चा धर्म है। पर्युषण पर्व के दौरान आठ कर्मो का दहन करना तथा जीवमात्र के प्रति दया रखना यही सभी का कर्तव्य है।

इस अवसर पर अचिंत्य चिंतामणि कल्पसूत्र शास्त्र का वांचन में उल्लेखित प्रभु महावीर जन्म के वृतांत का वांचन साधु साध्वी के मुखारबिंद से होता है। इसके पश्चात भगवान महावीर के माता त्रिशला के गर्भ में आने से पूर्व देखे गए चौदह स्वप्नों की बोली लगाई गई जिसमे धर्म प्रेमियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। पारणा के लाभार्थी कांतिलाल मेघराज आदित्य एवं विराग बेताला परिवार को श्री संघ ने पालणा घर पर ले जाने का आदेश दिया गया।

आत्मविश्वास ही प्रगति का सोपान है : साध्वी कंचनकंवर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जयनगर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी कंचनकंवरजी ने पर्युषण पर्व के पांचवें दिन रविवार को कहा कि राग-द्वेष की आग में इन्सान झुलस रहा है। क्षमारूपी जल की आवश्यकता है। समता-समभाव के जल से ही ये भयंकर आग बुझ सकती है। मनुष्य ही इस आग को शांत करने में समर्थ है। आज के भौतिक युग का इन्सान भूखा रहने को तैयार, भोजन छोड़ने को तैयार लेकिन मोबाइल का त्याग करना उसके लिए बहुत ही मुश्किल है। धर्म स्थान पर साधना करने पहुंच जाता है, लेकिन मोबाइल लेकर के जो इन्द्रियों के अधीन है, वह दास(गुलाम) है लेकिन जो इन्द्रियों पर विजय हासिल करता है वह जितेन्द्रिय है, जिन है। साध्वी उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी ने कहा कि हमारी जिंदगी का सबसे अच्छा व सच्चा साथी आत्मविश्वास है, हर इन्सान सांस पर जीता है, परिवार विश्वास पर जीता है। जिनके हृदय में आत्मविश्वास का दीप जलता है, उनमें सम्यक दर्शन का प्रकाश दीप्त हो जाता है। आत्मविश्वास ही प्रगति का सोपान है। मुक्तिमहत्व की सीढ़ी है। प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने बताया कि अनेक श्रावक श्राविकाओं ने आयम्बिल, एकासन, उपवास, तेला, अठाई आदि की तपस्या के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। संघ के अध्यक्ष दीपचन्द भंसाली ने स्वागत किया। मंत्री पदमचंद बोहरा ने संचालन किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन
NAME CONFIRMATION
I, Service No. 13621730W, Rank : SEP, Name : MALEPPA CHARANI of Unit DSC PL 10 attach with 2 ASD (18 FAD) Pin No. 909182, C/o. 56 APO. Do hereby solemnly affirm and declare as under. That in my Service Document records the name of My Daughter is Wrongly written as SANJANA, but her Correct Name is SANJANA MALEPPA CHARANI as per School Document Records, Birth Certificate, Aadhar Card etc. That I want rectification in my service documents record of My Daughter's name as SANJANA MALEPPA CHARANI instead of SANJANA, vide affidavit dated 22-08-2025, Sworn to before Advocate & Notary NIJAGUNARADHYA .T.C, Bengaluru.

शिवकुमार ने भाजपा पर निशाना साधा, 'वोटर अधिकार यात्रा' से जुड़ी भ्रामक छवियों को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोशल मीडिया पर प्रसारित उन ''झूठे और भ्रामक'' दावों को रविवार को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया है कि बिहार में कांग्रेस के नेतृत्व वाली 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान उन्हें (शिवकुमार को) एक जीप के बाहर खड़ा रखा गया। शिवकुमार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़े सोशल मीडिया हैंडल पर उन्हें 'बदनाम करने का अभियान' चलाने का आरोप लगाया।

उपमुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सोशल मीडिया पर साझा की जा रही तस्वीर उनके कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ उस जीप में बैठने से पहले ली गई थी, जिससे यात्रा पूर्णिया के सर्किट हाउस तक गई थी। शिवकुमार कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण (लेकिन आश्चर्यजनक नहीं) है कि भाजपा से जुड़े हैंडल असली मुद्दे 'वोट चोरी' को संबोधित करने के बजाय फोटो के कोण, बैठने की व्यवस्था और किसने किसका अभिवादन किया जैसी बातों पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। शिवकुमार रविवार को 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कन्नड़ गौरव की रक्षा और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उपमुख्यमंत्री ने एक परोक्ष चेतावनी देते हुए कहा, अगर कन्नड़ लोगों के रक्षकों का गुस्सा भड़क गया, तो अहंकारी भी अपनी नींद से जाग जाएंगे। शिवकुमार ने चुटकी लेते हुए कहा कि ''अपनी सारी ऊर्जा तस्वीरों से छेड़छाड़ करने में खर्च करने के बजाय, भाजपा को उस ऊर्जा का 10 फीसदी हिस्सा चुराए गए वोटों के बारे में बात करने पर भी खर्च करना चाहिए।'' उपमुख्यमंत्री ने कहा, हम कांग्रेस पार्टी में 'मोहब्बत की दुकान' में विश्वास रखते हैं। आपको कभी-कभी यहां आना चाहिए, हो सकता है कि यह आपको बदल दे। इससे पहले, दिन में शिवकुमार ने कार्यक्रम से इतर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ चर्चा भी की।

विधायक वीरेंद्र पप्पी को धन शोधन मामले में 28 तक ईडी की हिरासत में

बेंगलूरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु स्थित एक अदालत ने रविवार को कांग्रेस विधायक के सी वीरेंद्र 'पप्पी' को अवैध सट्टेबाजी से जुड़े धन शोधन मामले में 28 अगस्त तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया। सूत्रों के अनुसार, विधायक को रविवार की सुबह सिक्किम से विमान से लाया गया। यहां हवाई अड्डे पर पहुंचते ही ईडी की एक विशेष टीम ने उन्हें हिरासत में ले लिया। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

केंद्रीय एजेंसी ने शुक्रवार को पप्पी (50), उनके भाई और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ कथित अवैध सट्टेबाजी से जुड़े धन शोधन मामले के तहत कई राज्यों में छापेमारी की थी।

इसरो ने गगनयान पैराशूट प्रणाली के लिए पहला 'एयर-ड्रॉप' परीक्षण पूरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आगामी गगनयान मिशन के लिए पैराशूट आधारित गति धीमी करने से संबंधित प्रणाली को परखने के लिए रविवार को पहला एकीकृत एयर ड्रॉप' परीक्षण (आईएडीटी-01) सफलतापूर्वक किया। इसरो के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यह परीक्षण आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा के निकट किया गया। यह अभ्यास इसरो, भारतीय वायु सेना, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। गगनयान परियोजना का उद्देश्य भारत की यह क्षमता प्रदर्शित करना है कि वह मनुष्यों को अंतरिक्ष में भेजकर सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस ला सकता है। देश के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन के रूप में योजनाबद्ध यह परियोजना, चालक दल की सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण प्रणालियों की जांच के लिए पूर्ववर्ती मानवरहित मिशनों को भी शामिल करेगी। पैराशूट-आधारित गति धीमी करने की प्रणाली धरती पर लौटने और लैंडिंग के दौरान चालक दल के मॉड्यूल की सुरक्षित रूप से वापसी सुनिश्चित करने के संबंध में एक प्रमुख घटक है।

विधायक राममूर्ति के नेतृत्व में 'धर्मस्थल' तक यात्रा निकालेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दक्षिण बेंगलूरु जिला इकाई सोमवार को पार्टी के जिला अध्यक्ष और जयनगर विधायक सी के राममूर्ति के नेतृत्व में 'धर्मस्थल' नामक क्षेत्र तक यात्रा निकालेगी। भाजपा दक्षिण जिला मीडिया प्रभारी टी एस सुब्रह्मण्य द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, सुबह छह बजे जयनगर चतुर्थ ब्लॉक (मैयास होटल के पास) स्थित श्री विनायक मंदिर में प्रार्थना के बाद यात्रा शुरू होगी। यह यात्रा 'धर्मदा उलिविगे धर्म युद्ध' (धर्म की रक्षा के लिए एक पवित्र युद्ध) बैनर के तहत निकाली जाएगी।

सुबह साढ़े सात बजे, पीईएस यूनिवर्सिटी रिंग रोड जंक्शन के पास नाइस रोड के पास, बेंगलूरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या और बसवनगुडी के विधायक रवि सुब्रमण्यम काफिले को हरी झंडी दिखाएंगे। जयनगर, बीटीएम लेआउट, विजयनगर और गोविंदराजनगर विधानसभा क्षेत्रों

के नेताओं और कार्यकर्ताओं को लेकर लगभग 400 वाहन 'धर्मस्थल' के लिए रवाना होंगे। बयान के अनुसार 'धर्मस्थल' पहुंचने के बाद, वे भगवान मंजूनाथ स्वामी मंदिर तक एक किलोमीटर पैदल चलेंगे और पूजा-अर्चना करेंगे, मंदिर के 'धर्माधिकारी' वीरेंद्र हेगड़े से मिलेंगे और पवित्र मंदिर के प्रति भाजपा के पूर्ण समर्थन का संदेश देंगे।

एक शिकायतकर्ता द्वारा यह दावा किए जाने के बाद विवाद उत्पन्न हो गया कि 'धर्मस्थल' में कुछ समय से यौन उत्पीड़न की शिकार महिलाओं सहित अनेक शवों को दफनाया गया। इस दावे का निहितार्थ स्थानीय मंदिर के प्रबंधकों की ओर इशारा करता है।

भाजपा ने मंदिर को निशाना बनाए जाने का विरोध किया था। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने भी चेताया थी कि अगर शिकायत झूठी निकली तो कार्रवाई की जाएगी। मंदिर के 'धर्माधिकारी' वीरेंद्र हेगड़े ने भी एसआईटी के गठन का स्वागत किया था। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शनिवार को शिकायतकर्ता को गिरफ्तार कर लिया।

नाश्ता योजना का 20 लाख छात्रों को लाभ मिलेगा : एमके स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने रविवार को कहा कि 26 अगस्त को मुख्यमंत्री नाश्ता योजना के विस्तार के बाद 20 लाख से अधिक स्कूली छात्र इस पहल से लाभान्वित होंगे, जिसका उद्देश्य बच्चों का पर्याप्त विकास सुनिश्चित करना है। अब इस योजना का विस्तार तमिलनाडु के शहरी क्षेत्रों के सरकारी और सहायता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों में किया जा रहा है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान इस योजना के विस्तार के दौरान बुधवार को मौजूद रहेंगे।

स्टालिन ने सोशल मीडिया पर 'एक पोस्ट' साझा कर कहा कि इस

योजना से अब 20.59 लाख स्कूली बच्चे लाभान्वित होंगे।

उन्होंने कहा, ''जस्टिस पार्टी के दिनों से लेकर द्रविड़ मॉडल सरकार तक हम बच्चों को भोजन प्रदान करते आए हैं और उन्हें शिक्षा उपलब्ध कराते हैं। यह सिर्फ भोजन नहीं है, बल्कि बच्चों के विकास के लिए एक मजबूत आधार है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के लिए एक मिसाल कायम करने वाला सरकार का यह ''नवीनतम प्रयास'' जारी रहेगा और तमिलनाडु हमेशा आगे बढ़ता रहेगा।

स्टालिन ने पार्टी कार्यकर्ताओं को लिखे एक पत्र में कहा कि तमिलनाडु ने कैसे इस तरह की पहल की थी, जब पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत के. कामराज ने मध्याह्न भोजन योजना शुरू की थी। बाद में, तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एम जी रामचंद्रन (एमजीआर) ने इसे पौष्टिक भोजन योजना में बदला। स्टालिन ने कहा कि इसके वर्षों बाद पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एम करुणानिधि के नेतृत्व वाली द्रविड़ मुनेत्र कषगम सरकार ने छात्रों को दिए जाने वाले भोजन में अंडे को भी शामिल किया।

धर्मस्थल मानहानि मामले में यूट्यूबर कर्नाटक पुलिस के सामने पेश हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक में धर्मस्थल मंदिर को लेकर कथित अपमानजनक वीडियो बनाने वाला यूट्यूबर समीर एमडी रविवार को बेलथांगडी पुलिस के सामने पेश हुआ। पुलिस ने इस वीडियो का स्वत: संज्ञान लेकर मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने इससे पहले बेंगलूरु और बल्लारी में समीर के घर पर नोटिस चिपकाकर उसे पूछताछ के लिए पेश होने का निर्देश दिया था। वह आज तीन वकीलों के साथ

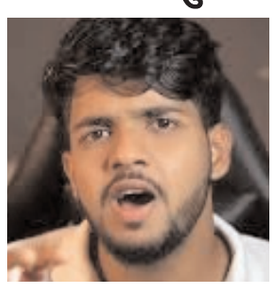

बेलथांगडी थाने पहुंचा और अपना बयान दर्ज कराया। अपनी संभावित गिरफ्तारी की खबरें आने के बाद समीर ने मंगलूरु अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। बृहस्पतिवार को अदालत ने उसे जमानत दे दी।

कांग्रेस विधायक रंगनाथ ने शिवकुमार की तरह संघ के प्रार्थना गीत की प्रशंसा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की तरह सत्तारूढ़ कांग्रेस विधायक एच.डी. रंगनाथ ने भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रार्थना गीत की शुरुआती पंक्तियां रविवार को गाईं और उसकी प्रशंसा की। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डी. के. शिवकुमार ने 21 अगस्त को राज्य विधानसभा में चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास मची भगदड़ पर चर्चा के दौरान आरएसएस की प्रार्थना की कुछ पंक्तियां गाकर सबको चौंका दिया था।

'इंडियन प्रीमियर लीग' में 'रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु' की जीत

के बाद आयोजित कार्यक्रम के दौरान हुई इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी।

रंगनाथ ने भी तुमकुरु जिले के कुनिगल में पत्रकारों से बात करते हुए संघ के प्रार्थना गीत 'नमस्ते सदा वत्सले' की शुरुआती पंक्तियां गाईं। विधायक ने संघ के प्रार्थना गीत को बहुत ''अच्छा गीत'' बताते हुए कहा कि उप-मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा में गाए जाने के बाद उन्होंने भी इसे सुना। उन्होंने कहा, ''मैंने इसका अर्थ पढ़ा। इसमें कहा गया है कि हमें उस धरती को नमन करना चाहिए जहां हम पैदा हुए हैं। मुझे इसमें कुछ भी गलत नहीं लगता। हमारी पार्टी एक धर्मनिरपेक्ष पार्टी है और हमें दूसरों की अच्छी बातें स्वीकार करनी चाहिए।''

उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए कहा, दक्षिणपंथी लोग जाति और धर्म के आधार पर विभाजन पैदा करने पर जोर देते हैं जिसका हम विरोध करते हैं। उनकी विचारधारा हमारी विचारधारा से कभी मेल नहीं खा सकती लेकिन अगर कोई संघ का गीत गाता है तो इसमें गलत क्या है? मैं तो बस यही सवाल पूछ रहा हूं।

फैब स्टार्स आइकॉनिक अवार्ड् के पांचवें संस्करण का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां प्रतिष्ठित फैब स्टार्स आइकॉनिक अवार्ड्स के पाँचवे संस्करण का आयोजन पंचतारा होटल में आयोजित किया गया। सितारों से सजी यह शाम सिनेमा, उद्यमिता और रचनात्मक उद्योगों में उत्कृष्टता का उत्सव थी। इस ग्लैमरस नाइट में अबिरामी, उमा, आरके सुरेश, श्रुतिका अर्जुन, संचिता शेट्टी, नित्याश्री, याशिका आनंद, वेट्री वसंत, इंदिरान विजयलक्ष्मी और देवानंद शा जैसी प्रमुख हस्तियों के साथ-साथ कई अन्य प्रसिद्ध कलाकार और उद्यमी मौजूद थे, जिन्हें उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए पहचाना गया।

पलानीस्वामी राजग का नेतृत्व कर रहे, तमिलनाडु में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार : प्रदेश भाजपा अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नयनार नागेंद्रन ने रविवार को कहा कि अगर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करता है, तो ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के अध्यक्ष ई पलानीस्वामी राज्य के मुख्यमंत्री बनेंगे। तिरुचिरापल्ली में संवाददाताओं से मुखातिब नागेंद्रन से जब अगले साल चुनाव जीतने पर गठबंधन सरकार बनाने को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्नाद्रमुक के शीर्ष नेता पलानीस्वामी की ओर से दिए गए बयानों के बीच विरोधाभास के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि पलानीस्वामी राज्य में गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं।

शाह बार-बार गठबंधन सरकार बनाने की बात करते रहे हैं, तो पलानीस्वामी कहते रहे हैं कि अन्नाद्रमुक बहुमत हासिल करके अपने दम पर सरकार बनाएगी। इस तथ्य की तरफ ध्यान आकृष्ट करने पर नागेंद्रन ने कहा, ''तमिलनाडु में राजग के नेता ई पलानीस्वामी हैं और विधानसभा चुनाव के बाद वह जो भी फैसला लेंगे, अंतिम होगा।'' यह पूछे जाने पर कि अन्नाद्रमुक का शीर्ष नेतृत्व शाह की इस टिप्पणी से नाराज है कि राजग के घटक दल सरकार बनाएंगे, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि किसी को कोई अफसोस नहीं है।

नागेंद्रन ने स्पष्ट किया कि शाह का मतलब गठबंधन सहयोगी (अन्नाद्रमुक) के ''शासन'' से था। उन्होंने कहा, ''आपको अधिक भ्रमित नहीं होना चाहिए, लक्ष्य द्रमुक को सत्ता से बेदखल करना है, कई लोग द्रमुक की बी-टीम हैं।'' तमिलनाडु में राजग के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के बारे में पूछे गए एक तीखे सवाल पर नागेंद्रन ने पलटवार करते हुए कहा, ''तमिलनाडु में गठबंधन में कौन-सी पार्टी बड़ी है? अगर भविष्य में सरकार बनती है, तो यह किसके नेतृत्व में बनेगी? मैं आपको पहले ही बता चुका हूं कि वह ई पलानीस्वामी होंगे, भ्रम पैदा नहीं किया जाना चाहिए।''

इंडियन बैंक ने ग्राहक दिवस मनाया, उत्कृष्ट सेवा की प्रतिबद्धता दोहराई

चेन्नई। इंडियन बैंक ने 22 अगस्त को भारत और विदेशों में अपनी सभी शाखाओं में अपना वार्षिक ग्राहक दिवस मनाया। यह अवसर ग्राहकों के लिए अपनी प्रतिक्रिया और अपेक्षाएँ साझा करने का एक मंच प्रदान करता है, साथ ही सेवा वितरण को और बेहतर बनाने के लिए बैंक अधिकारियों के साथ सीधे संपर्क को भी बढ़ावा देता है। इस अवसर पर, बैंक ने अपने मूल्यवान ग्राहकों के विश्वास और निष्ठा के लिए उनके प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। प्रबंधन ने सेवा की गुणवत्ता में सुधार के लिए ग्राहक प्रतिक्रिया के महत्व पर ज़ोर दिया और ग्राहक-केंद्रित जुड़ाव और सतत विकास के माध्यम से वित्तीय सेवाओं में उत्कृष्टता प्रदान करने के इंडियन बैंक के दृष्टिकोण की पुष्टि की।

अमित शाह की विजय यात्रा को भ्रष्ट ताकतों और राजनीतिक षड्यंत्रकारियों द्वारा रोका नहीं जा सकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने एक विज्ञप्ति में बताया कि तिरुनेलवेली में भाजपा के ऐतिहासिक बूथ समिति सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा तमिलनाडु में भ्रष्ट शासन को खत्म करने की शपथ लेने की जोरदार घोषणा के बाद जनविरोधी राजनीतिक षड्यंत्रकारियों और भ्रष्ट मंत्रियों के असंगत बयानों की बाढ़ आ गई है, जिनकी आवाजें हाल के दिनों में पूरे राज्य में तेज हो गई हैं। यह बेहद निंदनीय है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और डीएमके के उप-महासचिव ए. राजा चुनावी फ़ायदे के लिए भाजपा और प्रधानमंत्री को बदनाम करने पर उतर आए हैं। उन्होंने पवित्र तिरुक्कुरल, श्रद्धेय तिरुवल्लुवर और ख़ुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह कहकर बदनाम किया है कि तिरुक्कुरल का इस्तेमाल करके तमिल वोट नहीं चुराए जा सकते, ठीक वैसे ही जैसे वोटों की चोरी नहीं की जा सकती। कोई भी ताकत, चाहे कितनी भी चालाक क्यों न हो, प्रधानमंत्री और तमिलनाडु की जनता के दिलों के बीच के अटूट बंधन को तोड़ नहीं सकती।

उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तमिल भाषा, तमिलनाडु की जनता के कल्याण और राज्य की प्रगति में अमूल्य योगदान अद्वितीय और अद्वितीय है। सच्ची तमिल पहचान केवल जन्मस्थान का मामला नहीं है, बल्कि तमिल भाषा और संस्कृति की पवित्रता, प्राचीनता और भव्यता के प्रति श्रद्धा का विषय है। प्रधानमंत्री मोदी, जो तमिल को दुनिया की सबसे प्राचीन भाषा बताते हैं और वैश्विक मंचों पर इसके साहित्यिक खजाने का उल्लेख करते हैं, तमिल भूमि के एक सच्चे सपूत के रूप में यहाँ के लोगों के दिलों में बसते हैं। द्रमुक नेता और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को ए. राजा के खिलाफ उनके लगातार बदनामी और प्रधानमंत्री की छवि को धूमिल करने के प्रयासों के लिए निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए।

द्रमुक का यह दावा कि अमित शाह हज़ार बार भी तमिलनाडु आएँ, भाजपा तमिलनाडु में अपनी जड़ें नहीं जमा पाएगी, खोखला है। तमिलनाडु कांग्रेस अध्यक्ष सेल्वापेरुंथगई का यह निंदनीय दावा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री वोट चुराने आ रहे हैं, राजनीतिक मर्यादा के घोर अभाव को दर्शाता है, और दुष्ट शकुनि की याद दिलाता है, जिसकी योजनाओं के कारण महाभारत में कौरवों का पतन हुआ था। अगर द्रमुक नेता स्टालिन सिर्फ़ मूकदर्शक बनकर ऐसी बयानबाज़ी करते रहे, तो द्रमुक गठबंधन का हश्र कौरव वंश जैसा हो सकता है। द्रमुक मंत्री नेहरू का यह दावा भी उतना ही बेशर्मी भरा है कि डीएमके को कोई टक्कर नहीं दे रहा।

टीवीके प्रमुख विजय अपनी 'अपरिपक्व' टिप्पणी पर आत्मचिंतन करें : अंबिल महेश

चेन्नई। तमिलनाडु के स्कूल शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोई ने रविवार को तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय पर अपरिपक्व' टिप्पणी करने के लिए निशाना साधते हुए कहा कि अभिनेता को सोचना चाहिए कि क्या उन्हें सिर्फ इसलिए असंयमित भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए क्योंकि उन्होंने एक राजनीतिक पार्टी शुरू की है। अभिनय से राजनीति में आए विजय द्वारा मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को ''चाचा'' कहकर संबोधित करने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री का सार्वजनिक जीवन में 50 साल का इतिहास है और वह सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के भी प्रमुख भी हैं। मंत्री ने कहा कि विजय और उनके समर्थकों को इस बात पर विचार करना चाहिए और समझना चाहिए कि क्या मुख्यमंत्री के खिलाफ अनुचित शब्द का इस्तेमाल स्वीकार्य है।

पिछले चौबीस घंटों में दौसा में हुई सर्वाधिक 285 मिलीमीटर बरसात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मानसून की बरसात का दौर जारी है और पिछले चौबीस घंटो में दौसा में अत्यंत भारी वर्षा दर्ज की गई है वहीं अन्य कई जिलों में अतिभारी एवं भारी वर्षा हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार सुबह साढ़े आठ बजे तक प्रदेश में सर्वाधिक 285 मिलीमीटर वर्षा दौसा में दर्ज की गई है। इस दौरान अलवर, जयपुर, करौली, सवाई माधोपुर, सीकर एवं टोंक जिलों में अतिभारी तथा उदयपुर, सिरोही, राजसमंद, प्रतापगढ़, भरतपुर, नागौर, अजमेर जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश दर्ज की गई। राजधानी जयपुर में पिछले चौबीस घंटे में जयपुर एयरपोर्ट स्थित मौसम वेधशाला में 89 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

बारिश से प्रभावित जिलों में प्रशासन एवं पुलिस राहत टीमों के साथ राहत एवं बचाव कार्य में लगे हुए हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। उधर जयपुर जिला प्रशासन ने बताया कि जयपुर में जारी बरसात के दौर में किसी भी आपदा के प्रबंधन के लिए जयपुर जिला प्रशासन की टीम मुस्तैद हैं और जिला कलक्टर डा जितेन्द्र कुमार सोनी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। सोनी के निर्देश पर जिला प्रशासन की 46 टीमें फील्ड में तैनात है और सभी प्रशासनिक अधिकारियों को जल भराव क्षेत्रों के निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। जिला कलक्टर स्वयं प्रभावित इलाकों एवं जल भराव के क्षेत्रों का निरीक्षण कर रहे हैं।

सहायता के लिए एक एमआई-17 तैनात, वायुसेना और उड़ानों के लिए तैयार

राजस्थान के कोटा और बूंदी क्षेत्रों में बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए एक एमआई-17 हेलीकॉप्टर तैनात किया गया है तथा भारतीय वायुसेना और अधिक उड़ानों के लिए तैयार है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। राजस्थान के कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश से सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। पूर्वी राजस्थान में सबसे अधिक बारिश हुई है और निचले इलाकों में पानी भर जाने से सड़क एवं रेल संपर्क बाधित हो गया है तथा जलभराव के कारण कई गांवों में संपर्क टूट गया है।

कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर और टोंक में बाढ़ जैसी स्थिति है। अधिकारियों ने बताया कि कोटा और बूंदी इलाकों में बाढ़ प्रभावित लोगों को सहायता पहुंचाने के लिए एक एमआई-17 हेलीकॉप्टर तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना को मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) कार्यों के लिए और उड़ानें भरने के लिए तैयार रखा गया है। भारतीय सेना और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल ने शुक्रवार को कोटा में राहत अभियान चलाया जबकि राज्य आपदा मोचन बल के दलों ने बारिश प्रभावित अन्य इलाकों से लोगों को निकाला।

जिले में लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन ने सोमवार 25 अगस्त और मंगलवार 26 अगस्त को जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों और राजकीय व गैर-राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित कर दिया है। जिला कलक्टर एवं आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने आदेश जारी किए। इसी तरह दौसा जिले में भी दो दिन स्कूल बंद रखने के निर्देश मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी किए गए हैं। प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा 12वीं तक विद्यार्थियों के लिए यह अवकाश रहेगा।

इन जिलों में येलो अलर्ट

श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, टोंक, सवाई माधोपुर, अलवर, जयपुर, सीकर, दौसा, भरतपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, बूंदी, जोधपुर, पाली, धौलपुर और करौली जिलों में मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। इन जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही, आकाशीय बिजली गिरने और 20-30 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका जताई गई है।

कमरे की छत गिरने से महिला की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान में कोटा जिले के सुल्तानपुर कस्बे में कमरे की छत गिरने से 30-वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। कोटा के एक अस्पताल के शवगृह में सहायक उप-निरीक्षक विजेंद्र सिंह ने बताया कि घटना शनिवार रात हुई और मृतका की पहचान यास्मीन, जबकि घायल व्यक्ति की पहचान जावेद अख्तर के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि दंपति की चार साल की बेटी और उसके दादा-दादी चार कमरों वाले मकान के दूसरे कमरे में सो रहे थे और वे सुरक्षित हैं। एएसआई ने बताया कि यास्मीन की सुबह करीब पांच बजे कोटा के एमबीएस अस्पताल में मौत हो गई। छत गिरने की आवाज और परिवार के शोर मचाने पर पड़ोसी वहां पहुंचे और दंपति को पत्थर की सिल्लियों के नीचे दबा हुआ पाया। अनुमान जताया जा रहा है कि पिछले दिनों हुई लगातार बारिश के कारण छत कमजोर हो गई थी।

'फिटनेस की डोज आधा घंटा रोज' के तहत पुलिसकर्मियों ने दिया जागरुकता का संदेश

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा में रविवार को 'फिटनेस की डोज-आधा घंटा रोज' के तहत पुलिसकर्मियों ने साइकिलिंग, योग, जुंबा और रस्सी कूद जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से फिटनेस और साइबर ठगी के प्रति जागरुकता का संदेश दिया। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में सिटी कंट्रोल रुम से शुरु हुई साइकिल रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर वापस आई। इस आयोजन में पुलिसकर्मियों, उनके परिवार, गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) सदस्यों और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सिंह ने बताया कि भारत सरकार के खेल मंत्रालय की पहल पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य लोगों को रोजाना कम से कम आधा घंटा शारीरिक गतिविधि के लिए प्रेरित करना है। पुलिसकर्मियों की व्यस्त जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए पुलिस लाइन मैदान में नियमित रूप से योग, जुंबा और रस्सी कूद जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जिले के जहाजपुर, शाहपुरा और कोटड़ी जैसे क्षेत्रों में भी इस पहल के तहत साइकिलिंग कार्यक्रम हुए।

डूंगरपुर में 'बाइकर गिरोह' पर नकेल कसने के लिए 'ऑपरेशन संस्कार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने डूंगरपुर जिले में 'बाइकर गिरोह' पर नकेल कसने के लिए ऑपरेशन 'संस्कार' शुरू किया है। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान के तहत सोशल मीडिया पर नजर रखकर बाइकर गिरोह के सदस्यों को पकड़ा जा रहा है। पुलिस ने बताया कि कुछ समय पहले तक डूंगरपुर जिले में कई जगह सुपरबाइक की आवाजें सुनाई देते थीं।

कई किशोर 302, 007 और रफ़्तार जैसे नामों वाले गिरोह बनाकर सड़कों पर मोटरसाइकिल चला रहे थे। उन्होंने बताया कि वही युवा जो कभी रैप की धुनों पर नाचते हुए वीडियो पोस्ट करते थे, महिलाओं का पीछा करने, राहगीरों को परेशान करने, डकैती करने और पुलिस को धमकाने का दावा करते थे अब भजनों के साथ रील बना रहे हैं। यही नहीं वे यह भी कहते हैं कि उन्होंने 'बुरे कामों से तौबा' कर ली है और और अपने माता-पिता की सेवा करते हैं।

डूंगरपुर के पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि इस खतरनाक प्रवृत्ति और लोगों की लगातार शिकायतों को देखते हुए पिछले महीने जिले का कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने युवाओं के अपराधीकरण को रोकने के लिए ऑपरेशन 'संस्कार' शुरू किया है। उस समय सोशल मीडिया मंच, खासकर इंस्टाग्राम ऐसे वीडियो से भरा पड़ा है जिनमें ये लड़के बाइक स्टंट करते, हथियार दिखाते, गैंगवार में एक-दूसरे का पीछा करते या खुली चुनौतियां देते दिखाई देते थे। हरेक 'लाइक' और 'कमेंट' से वे और भी दुस्साहसी हो रहे थे। 12 साल तक के बच्चे भी उन्हें देख रहे थे, उनकी प्रशंसा कर रहे थे और प्रेरित हो रहे थे।

पुलिस अधीक्षक कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, युवा किस्तों पर पावर बाइक खरीद लाते और झुंड बनाकर लोगों का पीछा करने, डकैती, मारपीट और वाहनों पर पथराव जैसे अपराध करते।

ऐसी गतिविधियों की रील बनाकर वे अपने अपराध का ऑनलाइन महिमामंडन करते और कानून और पुलिस को चुनौती देते थे। उन्होंने कहा कि इनमें से ज्यादातर युवा 18-24 साल के हैं। इन शरारती युवाओं के बारे में जनता से काफी शिकायतें मिल रही थीं। बच्चों पर इसका बुरा असर भी देखने को मिल रहा था।

दीया कुमारी विश्व बंधुत्व दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में हुई शामिल

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने रविवार को राजधानी जयपुर में विश्व बंधुत्व दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में शामिल हुई। दीया कुमारी ने यहां ब्रह्माकुमारी निवास विद्याधर नगर में आयोजित रक्तदान अभियान-2025 में भाग लिया जो यह कार्यक्रम विश्व बंधुत्व दिवस और राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की पुण्य स्मृति को समर्पित था। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक स्तर पर सम्मान प्राप्त कर रहा है और वसुधैव कुटुंबकम की भावना से विश्व बंधुत्व को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने रक्तदान को 'महादान' बताते हुए कहा, आपके द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद को जीवनदान दे सकता है। रक्त की एक-एक बूंद किसी के लिए नई सांस बन सकती है।

राजस्थान पुलिस के 'संडेज ऑन साइकिल' अभियान में सत्रह हजार से अधिक लोगों ने लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में पुलिस के राज्यव्यापी संडेज ऑन साइकिल अभियान के एक विशेष संस्करण में रविवार को इस आयोजन में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों सहित 17 हजार 200 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पुलिस के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार राजस्थान के विभिन्न जिला मुख्यालयों और पुलिस इकाइयों में आयोजित इस कार्यक्रम में इतनी बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर जयपुर आयुक्तालय, जयपुर ग्रामीण, आरएसी और आरपीए में 1900 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इसी तरह जयपुर रेंज के अन्य जिले अलवर, भिवाड़ी, दौसा, सीकर, खैरथल, कोटपूतली और झुंझुनूं जिलों साथ ही अलवर पुलिस प्रशिक्षण संस्थान में 2100 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। जोधपुर आयुक्तालय, जीआरपी, प्रशिक्षण संस्थान, जोधपुर ग्रामीण और आरएसी में 2200 से अधिक लोगों ने भाग लिया। जोधपुर रेंज के अन्य जिले बाड़मेर, जैसलमेर, फलोदी, बालोतरा, पाली, जालौर और सिरोही जिलों में 1000 से अधिक लोग शामिल हुए।

अजमेर पुलिस, जीआरपी और आरएसी में 300 से अधिक लोग शामिल हुए। अजमेर रेंज के अन्य जिले किशनगढ़ प्रशिक्षण संस्थान, भीलवाड़ा, ब्यावर, टोंक, नागौर, डीडवाना जिलों और आरएसी में 2100 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। इसी तरह भरतपुर पुलिस, आरएसी और प्रशिक्षण संस्थान में 700 से अधिक लोगों ने भाग लिया। भरतपुर रेंज के अन्य जिले धौलपुर, करौली, हिंडौन, सवाईमाधोपुर, डीग और पहाड़ी प्रशिक्षण संस्थान में 1600 से अधिक लोग शामिल हुए।

बीकानेर पुलिस, आरएसी और प्रशिक्षण संस्थान में 1050 से अधिक लोगों ने भाग लिया। बीकानेर रेंज के अन्य जिले श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चुरू जिले के 900 से अधिक लोग शामिल हुए। कोटा शहर, ग्रामीण पुलिस और आरएसी के 300 से अधिक लोग शामिल हुए। कोटा रेंज के अन्य जिले झालावाड़, बारां व बूंदी जिलों और झालावाड़ प्रशिक्षण संस्थान में 1250 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इसी ताह उदयपुर पुलिस के 150 से अधिक लोग शामिल हुए। उदयपुर रेंज के अन्य जिले राजसमंद, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सलूंबर जिलों एमबीसी खेरवाड़ा और एमबीसी डूंगरपुर में 1650 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया।

इस आयोजन ने यह साबित कर दिया कि फिटनेस को लेकर जागरूकता बढ़ रही है और लोग इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए तैयार हैं। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को फिटनेस की डोज आधा घंटा रोज का संदेश देना है और यह 'फिट इण्डिया मूवमेन्ट' का एक हिस्सा है, जिसे वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया था जो 'खेलो इण्डिया' पहल का विस्तार है, जिसे गत वर्ष 17 दिसंबर को शुरू किया गया था। प्रधानमंत्री ने मन की बात के 117वें एपिसोड में भी इस पहल को मान्यता दी थी। इस आयोजन में साइकिलिंग के अलावा कई अन्य फिटनेस गतिविधियां भी शामिल थी, जैसे योग, जुम्बा, रन और रोप स्किपिंग, जिसने आम जनता का उत्साह बढ़ाया।

विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में युवा पीढी की महती भूमिका : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को अलवर के जेल सर्किल स्थित महावर ऑडिटोरियम में जागा वंशलेखन समाज सेवा संस्था द्वारा आयोजित तृतीय प्रतिभा सम्मान समारोह2025 के कार्यक्रम में शिरकत कर समाज के 10वीं व 12वीं कक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने प्रतिभावान बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को मूर्त रूप प्रदान करने में हमारी युवा पीढी की महती भूमिका है तथा जो समाज आगे बढेगा वह आने वाले समय में तरक्की करने के साथ देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि जागा समाज के पास सभी समाजों की उद्गम आदि की कुंडली होती है इसलिए अपने बुजुर्गों की सौगात को बनाए रखे तथा अपनी युवा पीढी को भी इसके लिए प्रशिक्षित करें।

उन्होंने कहा कि युवा पीढी को स्किल व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना तथा समाज के हर वर्ग को साथ लेकर 'सबका साथ सबका विकास' की भावना से कार्य करना राज्य सरकार की प्रतिबद्धता है।

उन्होंने कहा कि अलवर में जागा वंशलेखन समाज की ओर से प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित करना प्रेरणादायक है इससे बालक-बालिकाओं का उत्साहवर्धन होता है। उन्होंने बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि सामाजिक बदलाव लाने में शिक्षित बेटियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है तथा कोई भी समाज बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित कर ही सही मायने में उन्नति कर सकता है। वर्तमान समय में बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ रही है तथा बेटियों को बेटों के समान अवसर प्रदान कर उनके सपनों को साकार करने में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने जागा समाज द्वारा छात्रावास के लिए भूमि आवंटन की मांग पर कहा कि समाज के लोग नगर विकास न्यास में भूमि आवंटन हेतु आवेदन करें और छात्रावास के लिए भूमि आवंटित कराने का पूर्ण प्रयास किया जाएगा।

बीसलपुर बांध से पानी निकासी घटाई

जयपुर। जिले में स्थित बीसलपुर बांध में पानी की आवक एक दिन बाद ही कम पड़ने से सभी 6 गेटों से पानी निकासी शनिवार के मुकाबले रविवार सुबह आधी कर दी है। रविवार सुबह 6 बजे सभी 6 गेटों को एक-एक मीटर खोलकर सभी गेटों से प्रति सेकेंड 36 हजार 60 क्यूसेक पानी की निकासी बनास नदी में की जा रही है। जबकि रविवार सुबह 6 बजे से इससे पहले इन सभी गेटों को शनिवार से ही दो-दो मीटर खोलकर प्रति सेकेंड 72 हजार 120 क्यूसेक पानी निकासी की जा रही थी।

बीसलपुर बांध परियोजना के दएछ मनीष बंसल ने बताया कि पानी की आवक गत दिनों से बांध में कम होती जा रही है। इसके चलते बांध का जल स्तर 315.50 मेंटेन कर बांध से काफी कम पानी निकासी की जा रही है। त्रिवेणी का गेज भी शनिवार के मुकाबले आज घट गया है।

बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन पूरी गंभीरता से किया जा रहा : पटेल

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जोधपुर में विधानसभा क्षेत्र लूणी के ग्राम धांधिया में बजट घोषणा के अंतर्गत स्वीकृत लूणी से धांधिया डामर सड़क निर्माण कार्य (लागत 265 लाख रूपये) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संसदीय कार्य मंत्री ने अधिकारियों से कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता संबंधी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दूरभाष पर निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करें और कार्य की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी नहीं रखें। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होने से ग्रामीण अंचल की कनेक्टिविटी में सुधार होगा और आमजन को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी।

पटेल ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन में पूरी गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। सड़कों के सुदृढ़ नेटवर्क से क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

आध्यात्मिकता और विशिष्टता को निखारने का आध्यात्मिक केंद्र ब्रह्मकुमारीज आश्रम : संजय शर्मा

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को अलवर में तिजारा फाटक पुलिया के ब्रह्मकुमारीज सेवा केंद्र पर राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की 18वीं पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान शिविर में शिरकत कर रक्तवीरों की हौसला-अफजाई की तथा राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि को नमन कर विश्व शांति एवं सद्भाव की कामना की। वन राज्यमंत्री शर्मा ने कहा कि ब्रह्मकुमारी एक वैश्विक आध्यात्मिक संस्था है जिसका मुख्य उद्देश्य मनुष्य की अलौकिकता, आध्यात्मिकता और विशिष्टता को निखारकर शांतिपूर्ण जीवन जीने और अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का रहा है। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा मनुष्यों को सहज राजयोग की विधि सिखाने के साथ-साथ परमपिता परमात्मा से जुड़कर अपनी आंतरिक शक्तियों को जागृत करने और उन्हें अपने जीवन में धारण करने का सुंदर अवसर प्रदान करने का पुनीत कार्य किया जा रहा है। उन्होंने रक्तवीरों का उत्सावर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है जो जरूरत पडने पर व्यक्ति को जीवनदान प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा की भावना से आयोजित रक्तदान शिविर सराहनीय कदम है जिससे हमारी युवा पीढी को जीवमात्र की सेवा करने की प्रेरणा मिलेगी।

असम में हर्ष मंदर और प्रशांत भूषण जैसे लोग 'अशांति फैलाने' पहुंचे हैं : हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मार्घेरिटा (असम)/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को दावा किया कि कांग्रेस, जमात-ए-इस्लामी-हिंद तथा हर्ष मंदर एवं प्रशांत भूषण जैसे बुद्धिजीवी और पाकिस्तान एवं बांग्लादेश के कुछ तत्व राज्य को कमजोर करने के लिए काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ''कुछ लोग'' शनिवार से ''अशांति फैलाने'' के लिए राज्य के विभिन्न हिस्सों का दौरा कर रहे हैं लेकिन सरकार ऐसे सभी प्रयासों को विफल करने के लिए पैनी नजर रख रही है।

शर्मा ने यहां एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से कहा, असम में, कांग्रेस, जमात-ए-इस्लामी-हिंद, प्रशांत भूषण, हर्ष मंदर और उनके जैसे बुद्धिजीवी तथा पाकिस्तान एवं बांग्लादेश के कुछ तत्व हमारे राज्य को कमज़ोर करने के इरादे से सक्रिय हैं। उन्होंने कहा, हम सभी असमियों और भारतीयों को इस साजिश को हराने के लिए एकजुट होना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, हर्ष मंदर, प्रशांत भूषण कल से अलग-अलग जगहों का दौरा कर रहे हैं। जवाहर सरकार, वजाहत हबीबुल्लाह और फयाज शाहीन समेत ऐसे ही लोगों का एक और समूह भी निचले असम के जिलों का दौरा कर रहा है। वे बस अशांति का माहौल बनाने के लिए असम में अल्पसंख्यक समुदाय और जमात-ए-इस्लामी के नेताओं से मिल रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि उनकी गतिविधियों पर कड़ी नज़र रखी जा रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ''वे एनआरसी के दिनों की तरह कामयाब न हों।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कल जमात-ए-हिंद द्वारा मेरी बर्खास्तगी की मांग को लेकर किए गए हंगामे के बाद दिल्ली की एक टीम - हर्ष मंदर, वजाहत हबीबुल्लाह, फयाज शाहीन, प्रशांत भूषण और जवाहर सरकार - अब असम में डेरा डाले हुए है।

शर्मा ने आरोप लगाया कि उनका एकमात्र उद्देश्य वैध बेदखली को तथाकथित ''मानवीय संकट'' के रूप में पेश करना है। उन्होंने कहा, यह कुछ और नहीं बल्कि अवैध अतिक्रमणकारियों के खिलाफ हमारी लड़ाई को कमजोर करने का एक सुनियोजित प्रयास है। हम सतर्क और दृढ़ हैं - कोई भी दुष्प्रचार या दबाव हमें अपनी भूमि और संस्कृति की रक्षा करने से नहीं रोक पाएगा।

पीएम, सीएम, मंत्रियों को हटाने वाले विधेयकों पर खरगे ने आरोप लगाया

'वोट चोरी' के बाद 'सत्ता चोरी' में जुटी भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी गिरफ्तारी को हथियार बनाकर 30 दिनों के भीतर विपक्षी सरकारों को गिराने और लोकतंत्र को अस्थिर करने के लिए विधेयक लाकर वोट चोरी के बाद अब सत्ता चोरी में जुटी है।

खरगे ने दावा किया कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने के प्रावधान वाले विधेयक नागरिकों से अपनी सरकार चुनने या हटाने का अधिकार छीन लेते हैं तथा यह शक्ति प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जैसी संस्थाओं को दे देते हैं। उन्होंने कहा, यह लोकतंत्र पर बुलडोजर चलाने जैसा है।

खरगे ने यहां इंदिरा भवन में हरियाणा और मध्यप्रदेश की जिला कांग्रेस समितियों (डीसीसी) के नवनियुक्त अध्यक्षों के साथ बैठक में अपने शुरुआती संबोधन में यह टिप्पणी की। उन्होंने जिला कांग्रेस प्रमुखों को बूथ और मंडल समितियों के गठन में विशेष सावधानी बरतने तथा यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि इन समितियों के सदस्य पार्टी के प्रति वफादार हों और कांग्रेस की विचारधारा से न भटकें। खरगे ने कहा, जिला अध्यक्ष अपने अधीन ब्लॉक समिति बनाता है। वह मंडल और बूथ समितियां बनाता है। जब आप ये समितियां बनाते हैं, तो इस बात का विशेष ध्यान रखें कि इसमें शामिल सभी सदस्य पार्टी के प्रति वफादार और मेहनतकश हों। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे कांग्रेस की विचारधारा से न भटकें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को ऐसे लोगों की जरूरत है, जिन्हें अगर कोई प्रलोभन भी दे, तो भी पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा न डगमगाए।

खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने अपने मजबूत संगठन के कारण लंबे समय तक देश पर शासन किया और मंत्रियों के लिए यह जरूरी था कि वे जब भी किसी जिले में जाएं, तो सबसे पहले जिला अध्यक्ष से संपर्क करें। उन्होंने हरियाणा और मध्यप्रदेश के जिला कांग्रेस प्रमुखों से कहा, जिला अध्यक्ष कांग्रेस संगठन की सबसे मजबूत कड़ी है। यदि राज्य में सरकार बनानी है, तो उम्मीदवार को विधानसभा के लिए निर्वाचित करवाने में उनकी अहम भूमिका होती है। अगर देश में सरकार बनानी है, तो लोकसभा चुनाव जीतने के लिए आपके समर्थन की जरूरत होती है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, बीच में इस परंपरा में थोड़ा बदलाव आया। मंत्री अपने पसंदीदा लोगों को जिला अध्यक्ष बनाने लगे। योग्यता और विचारधारा को नजरअंदाज किया जाने लगा। राहुल (गांधी) जी और मुझे यह अहसास हुआ कि संगठन को मजबूत किए बिना, जिला अध्यक्षों को महत्व दिए बिना, हम मजबूती से सत्ता में वापसी नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि हाल ही में राहुल गांधी ने एक विस्तृत प्रस्तुति दी थी कि किस तरह कर्नाटक की महादेवपुरा सीट पर एक साजिश के तहत रणनीतिक तरीके से वोट चुराए गए। खरगे ने कहा, हमें यह सब छह महीने के अध्ययन के बाद पता चला। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग ने पहले तो कोई जवाब नहीं दिया। अब पूरा देश इसे समझ रहा है। बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग के विमर्श को उच्चतम न्यायालय में झटका लगा।

संसद के हाल में संपन्न मानसून सत्र के बारे में बोलते हुए खरगे ने कहा कि विपक्ष चाहता था कि संसद चले और जनता से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा हो, लेकिन भाजपा सरकार नहीं चाहती थी कि एसआईआर और वोट चोरी जैसे महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा हो।

केंद्र क्षेत्रीय दलों में विद्रोह भड़काने के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाया : अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने 30 दिन तक हिरासत में रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को पद से हटाने से संबंधित विधेयक संसद में इसलिए पेश किए हैं, ताकि विपक्षी नेताओं को परेशान किया जा सके और क्षेत्रीय दलों के भीतर विद्रोह भड़काया जा सके। यादव ने कहा कि केंद्र सरकार का यह कदम राजनीति से प्रेरित है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने यहां सपा मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, यह सरकार विपक्षी नेताओं को परेशान करना चाहती है, क्षेत्रीय दलों पर दबाव बनाना चाहती है और उनके भीतर विद्रोह भड़काना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए यह विधेयक पेश किया है, ताकि वह चुनावों के दौरान कैसे डकैती करते हैं और वोट चोरी करते हैं। सपा प्रमुख ने सत्तारूढ़ दल पर अपने ही नेताओं के खिलाफ आपराधिक मामलों को चुनिंदा तरीके से वापस लेने और प्रतिद्वंद्वियों को दबाने के लिए कानूनी कार्रवाई का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। यादव ने कहा, हमारे मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) को पता था कि यह विधेयक एक न एक दिन आएगा, इसीलिए अपने खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस ले लिए। अपने तो लिए ही लिए, उप मुख्यमंत्री के खिलाफ भी मुकदमे वापस ले लिए। जो इस विधेयक को ला रहे हैं, उन्होंने कई जगह स्वीकार किया कि उन पर झूठे मुकदमे लगे थे, उन्हें फंसाया गया था। अगर उन्हें झूठे मामलों में फंसाया जा सकता है, तो कल किसी और को भी फंसाया जा सकता है। सपा प्रमुख ने पार्टी नेताओं के जेल जाने के उदाहरण दिए, जिनमें मोहम्मद आजम खान, पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति, पूर्व विधायक इरफान सोलंकी और विधायक तथा पूर्व सांसद रमाकांत यादव का नाम लिया। उन्होंने कहा, देखिए कैसे हमारे नेताओं को सालों से जेल भेजा जा रहा है। यह सत्ता के दुरुपयोग को दर्शाता है। यादव ने दोहराया कि उनकी पार्टी इस विधेयक का कड़ा विरोध करती है और यह लोकतांत्रिक मूल्यों और क्षेत्रीय राजनीतिक आंदोलनों पर हमला है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गंभीर आरोपों में लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने के लिए बुधवार को लोकसभा में तीन विधेयक पेश किए थे, जिसका विपक्षी सांसदों ने कड़ा विरोध किया और मसौदा कानून की प्रतियां फाड़ दीं। ये तीन विधेयक हैं: केंद्र शासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक 2025, संविधान (130वां संशोधन) विधेयक 2025 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025।

असम के मुख्यमंत्री अवैध गतिविधियों में लिप्त: प्रशांत भूषण

गुवाहाटी/भाषा। वकील प्रशांत भूषण ने रविवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता हर तरह की 'अराजक व अवैध गतिविधियों' में लिप्त हैं और बाहरी दुनिया से 'इस लूट' को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं।

भूषण ने कहा कि शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार लोगों को यह जानने से 'रोक' रही है कि राज्य में क्या हो रहा है। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट है कि हिमंत विश्व शर्मा की असम सरकार नागरिकों को अवैध रूप से बांग्लादेश व इस देश के बाहर भेजने, लोगों को उनकी जमीन से अवैध रूप से बेदखल करने, उनके घरों को अवैध रूप से ध्वस्त करने जैसी हर तरह की अराजक व अवैध गतिविधियों में लिप्त है। भूषण ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार आदिवासियों की कृषि उपज वाली जमीनों को अदाणी समूह और अन्य कंपनियों को 'अवैध' रूप से सौंपने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, राज्य में लूट मची हुई है और मुख्यमंत्री इसे छिपाना चाहते हैं। इसलिए वह लोगों को रोकना चाहते हैं। इससे पहले, शर्मा ने दावा किया था कि कांग्रेस, जमात-ए-इस्लामी-हिंद, हर्ष मंदर, प्रशांत भूषण, वजाहत हबीबुल्ला, फयाज शाहीन और जवाहर सरकार जैसे बुद्धिजीवी पाकिस्तान और बांग्लादेश के कुछ तत्वों के साथ मिलकर राज्य को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

निर्वाचन आयोग 'गोदी आयोग' बन गया है : तेजस्वी यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अररिया (बिहार)/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को निर्वाचन आयोग पर ''भारतीय जनता पार्टी के एक प्रकोष्ठ'' के रूप में काम करने का आरोप लगाया और कहा कि निर्वाचन आयोग ''गोदी आयोग'' बन गया है।

तेजस्वी यादव बिहार के अररिया में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के दीपांकर भट्टाचार्य और 'इंडि' गठबंधन के घटक दलों के अन्य प्रतिनिधियों के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। यादव ने कहा, निर्वाचन आयोग अपनी विश्वसनीयता खो चुका है... बिहार में मतदाता सूची का उसका विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सीधा हमला है। यह लोगों के वोट चुराने का प्रयास है। निर्वाचन आयोग भाजपा के एक प्रकोष्ठ के रूप में काम कर रहा है... यह 'गोदी आयोग' बन गया है... इसके अधिकारी भाजपा कार्यकर्ताओं की तरह व्यवहार कर रहे हैं। यादव ने कहा, हम निर्वाचन आयोग को बिहार में आगामी चुनाव में भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए वोट चुराने नहीं देंगे। यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'घुसपैठियों' वाले हालिया बयान की भी आलोचना की और उन पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया। यादव ने कहा, शुक्रवार को गयाजी में एक जनसभा में प्रधानमंत्री का ''घुसपैठियों'' वाला बयान एक झूठ है...वह झूठ फैला रहे हैं। बिहार की जनता भाजपा और उसके सहयोगियों को घुसपैठिया कहने के लिए करारा जवाब देगी। राजद नेता यादव ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग ने उच्चतम न्यायालय में अपने हलफनामे में एसआईआर के दौरान अवैध प्रवासियों का पता लगने के एक भी मामले का उल्लेख नहीं किया है, जबकि प्रधानमंत्री और भाजपा के अन्य नेता विधानसभा चुनाव से पहले वोट चुराने के लिए ''घुसपैठियों'' का मुद्दा उठाते हैं। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा, अपनी विश्वसनीयता के क्षरण के लिए निर्वाचन आयोग स्वयं जिम्मेदार है। 'केंद्रीय निर्वाचन आयोग' अब 'केंद्रीय चुनौती आयोग' कहलाने लायक है। निर्वाचन आयोग की एसआईआर कवायद संविधान पर सीधा हमला है।

बिहार के अररिया में 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान राहुल, तेजस्वी ने मोटरसाइकिल की सवारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पूर्णिया (बिहार)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव रविवार को 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान मोटरसाइकिल पर सवार होकर पूर्णिया जिले के अररिया की सड़कों से गुजरे। कुल 1,300 किलोमीटर की यह यात्रा 17 अगस्त को सासाराम से शुरू हुई थी। यह 16 दिन की अवधि में 20 से अधिक जिलों से होकर गुजरेगी और एक सितंबर को पटना में एक रैली के साथ समाप्त होगी। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी और यादव यात्रा के अररिया पहुंचने पर मोटरसाइकिल चलाते नजर आए और दोनों नेताओं को देखने के लिए सड़कों पर लोगों की कतारें लगी रहीं।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और राजद नेता बाद में अररिया में 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) गठबंधन के अन्य नेताओं के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। राहुल गांधी ने कटिहार जिले में शनिवार शाम एक रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया था कि केंद्र में सत्ता में आने के बाद से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गरीब तबकों के लिए अवसरों के दरवाजे बंद कर दिए हैं और अब वह बिहार में ''वोट चुराने'' की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया था कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का मानना है कि दलितों का उत्थान नहीं होना चाहिए, अति पिछड़ों को सामाजिक सीढ़ी पर ऊपर नहीं चढ़ने देना चाहिए और महिलाओं को अधिक स्वतंत्रता नहीं दी जानी चाहिए।

आदिवासियों के विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन नजरबंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता चंपई सोरेन को एक सरकारी स्वास्थ्य संस्थान के लिए भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आदिवासी संगठनों के विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर कानून एवं व्यवस्था की समस्या से बचने के लिए रविवार को नजरबंद कर दिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने रांची के नगरी इलाके में प्रस्तावित परियोजना स्थल से उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। हालांकि, इस दावे की पुष्टि के लिए पुलिस से संपर्क नहीं हो सका। पुलिस ने बताया कि पुलिस ने चंपई सोरेन के बेटे बाबूलाल सोरेन को उनके समर्थकों के साथ एक थाने में हिरासत में रखा है। वह रांची जा रहे थे।

रांची (शहर) के पुलिस उपाधीक्षक के. वी. रमन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया,''आदिवासी संगठनों के विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर चंपई सोरेन को नजरबंद किया गया है। उन्होंने बताया कि विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है और महत्वपूर्ण स्थानों पर अवरोधक लगाये गए हैं। चंपई सोरेन ने इस कदम को अलोकतांत्रिक करार दिया और कहा कि आदिवासियों एवं उनके विरोध प्रदर्शन का समर्थन करने के कारण उन्हें नजरबंद किया गया है। चंपई सोरेन के आवास पर भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उन्होंने घोषणा की थी कि वह विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। झारखंड में 20 से अधिक आदिवासी संगठनों, किसानों और जमीन मालिकों ने रविवार को उस जगह पर विरोध प्रदर्शन 'हल जोतो, रोपा रोपो' का आह्वान किया था, जहां 1,074 करोड़ रुपए की लागत से राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स)- 2 अस्पताल परियोजना प्रस्तावित है। रिम्स-2 का तात्पर्य राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के विस्तार से है, जो राज्य की एक प्रमुख स्वास्थ्य सुविधा है। नगरी क्षेत्र की ओर जाने वाली सड़कों पर अवरोधक लगाये होने के बावजूद, विभिन्न गांवों से प्रदर्शनकारी, किसान और भूमि मालिक प्रस्तावित स्थल पर एकत्रित हुए, जिनके हाथों में पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की तस्वीर और उनके संदेश 'हरवा तो जोतो ना यार...कैसे बचेगा?' वाले पोस्टर थे। कई प्रदर्शनकारी शिबू सोरेन का मुखौटा पहने दिखे, जो 'दिशोम गुरु' (भू नेता) के नाम से जाने जाते थे। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें धरना स्थल से तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि पुलिस के प्रतिरोध को दरकिनार करते हुए उन्होंने उस जमीन पर पौधे लगाए, जहां अस्पताल परियोजना स्थापित करने का प्रस्ताव है। हालांकि, इस दावे के बारे में टिप्पणी के लिए पुलिस से संपर्क नहीं हो सका। परियोजना स्थल नगरी की ओर जाने वाली सड़कों पर अवरोधक लगाये होने की वजह से राजगीरों को दिक्कतें हुईं।

तेलंगाना में नाबालिग आदिवासी लड़की से कथित सामूहिक दुष्कर्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडम जिले में 17-वर्षीय एक आदिवासी लड़की ने आरोप लगाया है कि ऑटोरिक्शा में यात्रा करते समय दो अज्ञात लोगों ने उसके साथ दुष्कर्म किया है।

पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लड़की के मुताबिक, वह 22 अगस्त को छत्तीसगढ़ के कोंटा गई थी और एक ऑटोरिक्शा में सवार हुई थी, जिसमें दो लोग पहले से बैठे थे और उन्होंने उसे पेयपदार्थ दिया था, जिसे पीने के बाद वह बेहोश हो गई। बाद में उसे भद्राचलम एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (आईटीडीए) क्षेत्र में होश आया और उसने रविवार सुबह पुलिस को बताया कि दो व्यक्तियों ने उसका ''यौन शोषण'' किया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अब तक अपराध स्थल के संबंध में कोई स्पष्टता नहीं है और ''हमें विस्तार से सत्यापन करने की आवश्यकता है। अधिकारी के मुताबिक, पीड़िता को चिकित्सा जांच के लिए भेजा गया और बयान दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है, जिसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

राहुल ने अपनी शादी के बारे में हल्के-फुल्के अंदाज में कहा - 'बातचीत जारी है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अररिया (बिहार)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को अपनी शादी के बारे में हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि इस बारे में बातचीत जारी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने यह बात राजद प्रमुख लालू प्रसाद द्वारा उन्हें पूर्व में दी गई विवाह की सलाह के संदर्भ में कही।

गठबंधन सहयोगी और पारिवारिक मित्र लालू प्रसाद ने करीब दो साल पहले राहुल गांधी को विवाह करने की सलाह दी थी। पचपन वर्षीय राहुल गांधी ने यह टिप्पणी बिहार के अररिया जिले में 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान संवाददाता सम्मेलन में तब कही, जब प्रसाद के बेटे तेजस्वी यादव ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को शादी करने पर विचार करने की सलाह दी। इस पर गांधी ने कहा कि उन्हें भी दो साल पहले तेजस्वी के पिता से ऐसा ही सुझाव मिला था। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक पत्रकार ने यादव से पासवान द्वारा राष्ट्रीय पार्टी को क्षेत्रीय पार्टी का ''पिछलग्गू'' बताकर राजद और कांग्रेस के बीच दरार डालने की कोशिशों के बारे में सवाल पूछा।

इसपर बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा, मैं चिराग पासवान को उन्हीं की भाषा में जवाब दे सकता हूं, किसी पार्टी का नहीं, बल्कि एक व्यक्ति का हनुमान होने के उनके दावों का मजाक उड़ा सकता हूं।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान अक्सर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति अपनी निष्ठा की तुलना भगवान हनुमान की भगवान राम के प्रति भक्ति से करते रहे हैं।

यादव ने कहा, मैं इसपर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा, लेकिन उन्हें सलाह जरूर दूंगा कि हमारे बड़े भाई हैं जल्द से जल्द शादी कर लें।

राहुल गांधी, जिन्हें तेजस्वी यात्रा के दौरान लगातार 'बड़े भाई' कहते रहे हैं, ने माइक लिया और कहा, यह सलाह मुझ पर भी लागू होती है। उनके (तेजस्वी) पिता से बातचीत चल रही है।

मथुरा में संतान प्राप्ति की चाह में अनुष्ठान कराने गई महिला से तांत्रिक ने किया दुष्कर्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। मथुरा जिले के नौहझील क्षेत्र में संतान प्राप्ति की चाह में अनुष्ठान कराने गई 35 वर्षीय एक महिला से एक स्वयंभू तांत्रिक द्वारा कथित तौर पर दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सुरेश चंद्र रावत ने संवाददाताओं को बताया कि पीड़िता की शादी को आठ साल हो चुके हैं, लेकिन वह निःसंतान है, ऐसे में वह संतान प्राप्ति की चाह में तांत्रिक मुश्ताक अली (45) के पास गई थी। उन्होंने बताया कि तांत्रिक ने शनिवार को अनुष्ठान के बहाने उसे बुलाकर उससे कथित तौर पर दुष्कर्म किया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि तांत्रिक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 63 (बलात्कार) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी फिलहाल फरार है और पुलिस टीम उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

भारतीय क्रिकेट में धैर्य और एकाग्रता की प्रतिमूर्ति रहे हैं पुजारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चेतेश्वर पुजारा ना तो विराट कोहली की तरह दिलकश कवर ड्राइव लगाते थे, ना ही रोहित शर्मा की तरह पुल शॉट लगाते थे, उनके पास ऋषभ पंत की तरह सांसे रोक देने वाले गिरते हुए हुक शॉट खेलने की भी क्षमता नहीं थी लेकिन टी20 क्रिकेट के युग में उन्होंने अपनी बेहतरीन तकनीक, मजबूत मानसिकता और अदम्य धैर्य के साथ टेस्ट क्रिकेट के हर पैमाने पर खुद को साबित किया। भारतीय टीम में सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण और सौरव गांगुली जैसे दिग्गजों के दौर के बाद कलात्मक बल्लेबाजों के बीच पुजारा 2013-14 से 2023 तक 100 से ज्यादा टेस्ट मैच में भारतीय बल्लेबाजी की धुरी बने रहे।

भारतीय क्रिकेट में उनका योगदान छक्कों या स्ट्राइक रेट से नहीं, बल्कि क्रीज पर बिताया समय, धैर्य और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आक्रमणों का दिलेरी से सामना करने से मापा जाता है। उस दौर में भारतीय बल्लेबाजी की तुलना अगर किसी भव्य इमारत से करें तो कोहली उसके वास्तुकार थे लेकिन इसकी नींव निश्चित रूप से चेतेश्वर पुजारा थे। धैर्य के साथ खेले जाने वाले टेस्ट क्रिकेट को पसंद करने वालों के लिए पुजारा उस दौर की याद दिलाते थे जब टी20 क्रिकेट का कोई अस्तित्व ही नहीं था। पुजारा के पिता अरविंद ने प्रथम श्रेणी के कुछ मैच खेले थे और सीमित संसाधनों के बावजूद चेतेश्वर के लिए उनके सपने बड़े थे। टी20 क्रिकेट की लोकप्रियता के बाद मौजूदा दौर के प्रशंसकों ने पुजारा की बल्लेबाजी को अप्रत्याशित रूप से अपरंपरागत करार दिया लेकिन दायें हाथ के इस बल्लेबाज के पिता ने बचपन में उनके दिमाग में यह बात बैठा दी थी टेस्ट क्रिकेट ही असली क्रिकेट है।

उनकी पत्नी पूजा ने अपनी किताब 'द डायरी ऑफ ए क्रिकेटर्स वाइफ: एन अनयूजअल मेमॉयर' में संक्षेप में कहा है, चेतेश्वर पुजारा कम बोलने वाले और भावनाओं का कम इजहार करने वाले व्यक्ति हैं। अगर एक मुस्कान से काम चल सकता है तो वह बोलना पसंद नहीं करते। अगर एक वाक्य तीन शब्दों में खत्म हो सकता है, तो वह एक और शब्द जोड़ने की कोशिश नहीं करेंगे। वह टीम के ऐसे 'भरोसेमंद' योद्धा थे जिसे आप युद्ध में जाते समय अपने साथ रखना चाहेंगे। जब कोहली ने कमान संभाली, तो पुजारा जानते थे कि उन्हें क्या करना है। गाबा में जब पंत ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की बखिया उधेड़ी तो दूसरी ओर पुजारा ना सिर्फ क्रीज पर डटे रहे बल्कि तेज गेंदों की 11 गेंदें अपने शरीर पर झेली।

सुविचार

धैर्य वह गुण है जो हमें कठिनाइयों से गुजरने के दौरान सिखाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पाखंड की साझेदारी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों का जिक्र करते हुए इन दोनों देशों की सरकारों के पाखंड की खूब पोल खोली है। अमेरिका कहने को तो लोकतंत्र का बहुत बड़ा पैरोकार है, लेकिन इसने पाकिस्तानी फौजी तानाशाहों का हमेशा समर्थन किया और उनसे फायदा उठाया है। इन दिनों रूसी तेल आयात को लेकर भारत पर टैरिफ थोपने की धमकियां देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान के उस सेना प्रमुख की पीठ थपथपा रहे हैं, जिस पर आतंकवाद को बढ़ावा देने और मानवाधिकारों की धज्जियां उड़ाने के बहुत गंभीर आरोप हैं। आज पाकिस्तान ट्रंप को नोबेल पुरस्कार दिलाने के लिए उनके सुर में सुर मिला रहा है। जो देश खुद अशांति और आतंकवाद का बहुत बड़ा प्रतीक है, वह शांति के गीत गा रहा है! इसने अलकायदा सरगना ओसामा बिन लादेन को पनाह दी थी। वह आतंकवादी पाकिस्तानी सैन्य अकादमी से 2 किलोमीटर से भी कम दूरी पर रह रहा था, जिसे 2 मई, 2011 को अमेरिकी नौसेना सील्स ने मार गिराया था। एस जयशंकर ने सत्य कहा है कि 'अमेरिका और पाकिस्तान का एक-दूसरे के साथ इतिहास रहा है। उस इतिहास को नजरअंदाज करने का भी उनका इतिहास रहा है। यह पहली बार नहीं है, जब हमने ऐसी चीजें देखी हैं।' ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की जो दुर्दशा हुई, उसके सबूत मौजूद हैं। उसके आतंकवादी ठिकानों को भारतीय मिसाइलों ने बुरी तरह ध्वस्त कर दिया था। अगर पाकिस्तान कोई लोकतांत्रिक देश होता तो अब तक मुनीर का कोर्ट मार्शल हो जाता, लेकिन वे फील्ड मार्शल बन गए। ट्रंप भी आए दिन अनर्गल बयान देकर शांति का नोबेल पुरस्कार पाना चाहते हैं। उनके झूठे दावों को भारत ने कई बार खारिज किया है।

अब ऐसा प्रतीत होता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति पाकिस्तानी जनरल की संगति में आकर उनके मुल्क में प्रचलित इस कहावत पर बहुत गंभीरता से अमल कर रहे हैं- 'इज्जत आनी-जानी शै है, बंदा ढीठ होना चाहिए'। अमेरिका ने जनरल अय्यूब खान का समर्थन किया था। जनरल ज़िया उल हक उसके आशीर्वाद के कारण ही पाकिस्तानी अवाम की छाती पर वर्षों मूंग दलते रहे थे। जब जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ की हुकूमत को उखाड़ फेंका था, तब अमेरिका ही था, जिसने उस फौजी तानाशाह पर खूब डॉलर बरसाए थे। अगर डोनाल्ड ट्रंप उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति होते तो मुशर्रफ के तख्तापलट में भी कोई 'अच्छाई' ढूंढ़ लेते। हालांकि वे कारगिल की पहाड़ियों से बुरी तरह शिकस्त खाकर लौटे मुशर्रफ से खुद के लिए नोबेल पुरस्कार के वास्ते समर्थन जरूर मांगते। वास्तव में अमेरिका और पाकिस्तान, दोनों एक-दूसरे के पाखंड को भलीभांति जानते हैं, लेकिन इनके स्वार्थ इतने गहरे हैं कि खुलकर जिक्र नहीं करते। पाकिस्तान ने वर्ष 1971 में (तब पूर्वी पाकिस्तान, आज बांग्लादेश) भयंकर नरसंहार किया था। क्या अमेरिका ने आज तक किसी पाकिस्तानी जनरल के खिलाफ आवाज उठाई? पाकिस्तानी फौज बलोचिस्तान में खून-खराबा कर रही है। वह पाकिस्तान के अस्तित्व में आते ही ऐसा करने लगी थी। क्या अमेरिका ने उसके किसी भी सैन्य अधिकारी को जिम्मेदार ठहराया, जबकि वह किसी अन्य देश में छोटी-सी घटना के बारे में यह बयान देकर दबाव बनाने की कोशिश करता है कि 'हम करीब से नजर रख रहे हैं'? क्या वजह है कि अमेरिका जिस दूरबीन की मदद से 'करीब से नजर' रखता है, उसके लेंस पाकिस्तान की ओर घूमते ही धुंधले पड़ जाते हैं? उसे पीओके से लेकर पाकिस्तान की जमीन पर चल रहे आतंकवादियों के ठिकाने दिखाई नहीं देते? वह कम से कम उन ठिकानों को ही देख ले, जिन्हें भारतीय सशस्त्र बलों ने तबाह कर दिया था! जहां पहले आतंकवादी साजिश रच रहे थे, वहां हमारी मिसाइलों ने 'शांति' कायम कर दी। अगर ट्रंप को किसी शांति पुरस्कार का सच्चा हकदार बनना है तो पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों पर ऐसी ही कार्रवाई करें।

ट्वीटर टॉक

करुणा, विश्व बंधुत्व, सद्भाव के दिव्य संदेश से ओत-प्रोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पावन प्रकाश पर्व पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं! गुरु ग्रंथ साहिब की वाणी मानव को जीवन में प्रेम, सच्चाई और सेवा के मार्ग पर चलना सिखाती है।

-मदन दिलावर

मां भारती के वीर सपूत, महान क्रांतिकारी, अमर शहीद शिवराम राजगुरु जी की जयंती पर शत-शत नमन! भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की गाथा में उनका अदम्य साहस, देशभक्ति और बलिदान सदैव स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा।

-भजनलाल शर्मा

आज दिल्ली विधानसभा भवन में आयोजित वीर विट्ठल भाई पटेल 'प्रथम निर्वाचित भारतीय स्पीकर' शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस में सहभागिता का सुअवसर मिला। इस दौरान वीर विट्ठल भाई जी पर आधारित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

राष्ट्रभक्त की निर्भीकता

एक बार स्वामी विवेकानंद के कॉलेज के प्रिंसिपल डब्ल्यूडब्ल्यू हेस्टी कक्षा में आए। किसी प्रसंग पर उन्होंने पूछा, 'नरेन! यह बताओ नास्तिक कौन है?' नरेन ने कहा, 'सर, नास्तिक वह होता है जो अपने में विश्वास नहीं करता। ईश्वर में विश्वास नहीं करता।' फिर हेस्टी ने कुछ सोचकर कहा 'तो इसका अर्थ यह है कि ईश्वर कहीं नहीं है।' नरेन ने दृढ़तापूर्वक कहा, 'ईश्वर है सर। वह भारत के उन दरिद्र पंडित और दुर्बल लोगों में है जिन्हें कभी तुर्क और मुगल शासक नोचते रहे और आजकल आपकी सरकार नोच रही है।' निर्भीक उत्तर सुनकर हेस्टी चकित रह गए। उन्होंने कहा, 'मैंने सुदूर देशों का भ्रमण किया है, पर अभी तक मुझे कहीं भी ऐसा लड़का नहीं मिला, जिसमें तुझ जैसी प्रतिभा और संभावनाएं हों। तू जीवन में जरूर अपनी छाप छोड़ जाएगा।' छुट्टी के समय उन्होंने नरेन को अपने ऑफिस में बुलाया, फिर बड़े प्यार से बिठाते हुए कहने लगे, 'नरेन तुमने क्लास में जो कुछ कहा, वह बिल्कुल सच है। लेकिन मैं तुम्हें हिदायत देता हूं कि ऐसी बातें किसी और अंग्रेज के सामने मत कहना।' नरेन ने पूछा, 'क्यों सर?' हेस्टी साहब बोले, 'वह तुम्हारी रिपोर्ट कर देगा और सरकार तुम्हें जेल भेज सकती है।'

सामयिक

ऑनलाइन जुए के खेल पर पाबंदी

प्रमोद भार्गव

मोबाइल : 9981061100

अखाड़ा बने संसद में हो-हल्ले के बीच भी कई जनहितैषी विधेयक पारित कराने में सरकार सफल रही है। इन्हीं में से एक ऑनलाइन खेल संवर्धन एवं विनियमन विधेयक-2025 को संसद के साथ राश्ट्रपति द्रोपदी मुर्म से भी मंजूरी मिल गई। यह एक अत्यंत जरूरी कानून है। क्योंकि कर्नाटक में 31 दिन के भीतर 32 लोग इन खेलों के चक्कर में आकर आत्महत्या कर चुके हैं। इस तथ्य को उजागार करते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि ऑनलाइन गेम्स में अंतर करना जरूरी है। ई-स्पोर्ट्स और सोषल गेम्स को अब हम बढ़ावा देंगे, परंतु ऑनलाइन मनी गेम्स यानी पैसे से खेले जाने वाले खेलों को पूरी तरह बंद करेंगे। इन खेलों से मध्यम श्रेणी के अनेक परिवार बर्बाद हो रहे हैं। जितने सख्त लहजे में वैष्णव ने यह बात कही है, उसी सख्ती से इस कानून को मैदान में अमल भी करवाने की जरूरत है।

इस विधेयक में मनी गेमिंग के विज्ञापनों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। विज्ञापन देकर खेल खिलाने वाले खिलाड़ियों के साथ विज्ञापन को प्रस्तुत करने वाली हस्तियां और उत्प्रेरक भी अपराध के दायरे में आएंगे। इनके लिए अब कारावास और जुर्माना दोनों ही सजा झेलनी पड़ सकती हैं, क्योंकि यह जुआ व्यक्ति अधिक पैसा पाने की लालसा में खेलता है। अतएव टीवी, मोबाइल एप, सोषल मीडिया और वेबसाइट पर ऐसे खेलों का विज्ञापन करने पर दो साल तक की कैद और पचास लाख रुपए तक का अर्थदंड दिया जा सकता है। इन खेलों से संबंधित धन के लेन-देन को बढ़ावा देने पर तीन साल की कैद या एक करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है, यदि कोई एक व्यक्ति बार-बार इस खेल में लगा रहता है तो तीन से पांच साल तक की सजा और दो करोड़ रुपए तक का अर्थदंड भुगतना पड़ सकता है।अब सरकार राष्ट्रीय प्राधिकरण के अंतर्गत ऑनलाइन खेले जाने वाले खेलों की वर्गीकरण करेगी। क्योंकि जुआ-सट्टा से जुड़े खेलों को भी प्रतिउत्पन्न मति अर्थात बुद्धिमत्ता आधारित खेल के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इस खेल में जीतने वाले व्यक्ति को भाग्यशाली होने के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इसलिए बुद्धि को बढ़ावा देने वाले खेल और पैसा लगाकर खेले जाने वाले खेलों को परिभाशित करके विभाजित किया जाएगा। खिलाड़ी को मालूम होना चाहिए कि मनोरंजन, बुद्धि विकास और शैक्षित खेलों में दांव या पैसे की बाजी नहीं लगाई जाती है। प्राधिकरण शैक्षिक और मनोरंजन खेलों के समर्थन में रहेगा। धन आधारित इस ऑनलादन खेल के 45 करोड़ लोग लति हो चुके हैं। ये लति 20 हजार करोड़ रुपए प्रति वर्श गंवा कर अपने परिवार को आर्थिक बदहाली में झोंक देते हैं। साफ है, समाज के लिए यह समस्या जटिल स्वरूप ग्रहण कर चुकी है। अकेले जुपी एप पर इसके 15 करोड़ उपयोगकर्ता है। 1800 गेमिंग स्टार्टअप इंटरनेट पर चल रहे हैं। ऑनलाइन गेम का वैश्विक बाजार 3240 करोड़ का है। भारत सरकार ने इन खेलों से पांच साल के भीतर कर के रूप में 2600 करोड़ रुपए कमाए हैं। 2023 में ऑनलाइन गेमिंग पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगा दिया गया था। लेकिन अब देश के नागरिकों को इस समस्या से मुक्ति के लिए सरकार इन खेलों पर प्रतिबंध के लिए कानून ले आई है।

इंटरनेट के कारण दुनिया आदमी की मुट्ठी में आ गई है। इसके जितने लाभ हैं, उसी अनुपात में नुकसान भी देखने में आ रहे हैं। इस जंजाल में बड़े-बुजुर्ग और महिलाओं समेत बच्चे भी उलझते जा रहे हैं। कोरोना काल में घरों में ही रहने की बाध्यता के चलते ज्यादातर उपभोक्ताओं की मुट्ठी में स्मार्ट फोन आ गया और उसके लिए दुनिया का आकाश छू लेना आसान हो गया है। इस आसान उपलब्धि ने मर्यादा में रहने वाली भारतीय सामाजिक संरचना पर देखते-देखते बड़ा आघात कर दिया है। एक तरफ तो लोग ऑनलाइन जुए में अपनी पसीने से कमाई धन-संपदा गंवा रहे है, वहीं ठगी के षिकार होकर डिजीटल अरेस्ट के तहत तमाम लोग अपनी समूची चल-अचल

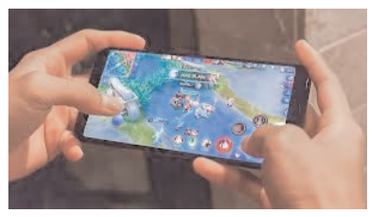

संपत्ति ठगों को भेंट कर चुके हैं। इसीलिए लंबे समय से इस तरह की जलसाजियों पर प्रतिबंध की मांग उठ रही थी। अब जाकर सरकार चेती है।

ऑनलाइन शिक्षा के बहाने ये विद्यार्थियों की मुट्ठी में भी स्मार्ट फोन आ गए हैं। इन फोनों में मनोरंजन एवं शैक्षिक खेलों के साथ अश्लील फिल्मों की उपलब्धि भी आसान थी। अतएव जो खेल भारत की समृद्ध संस्कृति, शारीरिक स्वास्थ्य और जीवन के विकास की अभिप्रेरणा थे, वे देखते-देखते भ्रम, ठगी, लालच और पोर्न का जादुई करिश्मा बनकर मन-मस्तिष्क पर छा गए। यहां तक की ब्लू व्हेल खेल में तो आत्महत्या का आत्मघाती रास्ता तक सुझाया जाने लगा। बच्चे लालच की इस मृग-मरीचिका के दृष्टिभ्रम में ऐसे फंसे कि धन तो गया ही, कईयों के प्राण भी चले गए। सोशल मीडिया की यह आदत जिंदगी में सतत सक्रियता का ऐसा अभिन्न हिस्सा बन गई है कि इससे छुटकारा पाना मुश्किल हो गया खेल-खेल में कुछ कर गुजरने की यह मनस्थिति भारत समेत दुनिया अनेक बच्चों की जान ले चुकी है। ऑनलाइन खेलों में पब्जी, रोबोलॉक्स, फायर-फैरी, फ्री-फायर भी प्रमुख खेल हैं। ये सभी खेल चुनौती और कर्त्तव्य के फरेब से जुड़े हैं। इन खेलों में दृध और पानी पीने की सरल चुनौतियों से लेकर कई घंटे मोबाइल पर बने रहने, मित्रों से पैसे उधार लेने, छत से कूदने, घुटनों के बल चलने, नमक खाने और बर्फ में रहने तक की चुनौतियां शामिल हैं। ऑनलाइन शिक्षा के बढ़ते चलन के चलते विद्यार्थियों की मुट्ठी में एनरॉयड मोबाइल जरूरी हो गया है। मनोविज्ञानी और समाजशास्त्री इसके बढ़ते चलन पर निरंतर चिंता प्रकट कर रहे हैं। पालक बच्चों में खेल देखने की बढ़ती लत और उनके स्वभाव में आते परिवर्तन से चिंतित व परेषान हैं। पालक बच्चों को मनोचिकित्सकों को तो दिखा ही रहे हैं, चाइल्ड लाइन में भी षिकायत कर रहे हैं। दरअसल बच्चों का मोबाइल या टेबलैट की स्क्रीन पर बढ़ता समय आंखों में दृष्टिदोष पैदा कर रहा है। साथ ही अनेक शारीरिक और मानसिक बीमारियों की गिरफ्त में भी बच्चे आ रहे हैं। पोर्न फिल्में भी देखते बच्चे पाए गए हैं।

ऑनलाइन खेल आंतरिक श्रेणी में आते हैं, जो भौतिक रूप से मोबाइल पर एक ही किशोर खेलता है, लेकिन इनके समूह बनाकर इन्हें बहुगुणित कर लिया जाता है। वैसे तो ये खेल सकारात्मक भी होते हैं, लेकिन ब्लू व्हेल, पब्जी जैसे खेल उत्सुकता और जुनून का ऐसा मायाजाल रचते हैं कि मासूम बालक के दिमाग की परत पर नकारात्मकता की पृष्ठभूमि रच देते हैं। मनोचिकित्सकों और स्नायु वैज्ञानिकों का कहना है कि ये खेल बच्चों के मस्तिष्क पर बहुआयामी प्रभाव डालते हैं। ये प्रभाव अत्यंत सूक्ष्म किंतु तीव्र होते हैं, इसलिए ज्यादातर मामलों में अस्पष्ट होते हैं। दरअसल व्यक्ति की आंतरिक शक्ति से आत्मबल दृढ़ होता है और जीवन क्रियाशील रहता है। किंतु जब बच्चे निरंतर एक ही खेल खेलते है तो दोहराव की इस प्रक्रिया से मस्तिष्क कोशिकाएं परस्पर घर्षण के दौर से गुजरती हैं, नतीजतन दिमागी द्वंद्व बढ़ता है और बालक मनोरोगों की गिरफ्त में आ जाता है। ये खेल हिंसक और अश्लील होते है, तो बच्चों के आचरण में आक्रामकता और गुस्सा देखने में आने लगता है। दरअसल इस तरह के खेल देखने से मस्तिष्क में तनाव उत्पन्न करने वाले डोपाइन जैसे हार्मोनों का स्राव होने लगता है। इस द्वंद्व से भ्रम और संशय की मनस्थिति निर्मित होने लगती है और बच्चों का आत्मविश्वास छीजने के साथ विवेक अस्थिर होने लगता है, जो आत्मघाती कदम उठाने को विवश कर देता है। हालांकि डोपाइन ऐसे हारमोन भी सृजित करता है, जो आनंद की अनुभूति के साथ सफलता की अभिप्रेरणा देते हैं। किंतु यह रचनात्मक साहित्य पढ़ने से संभव होता है। बहरहाल इस ठगी पर लगाम भारत सरकार ही लगा सकती थी, जो उसने देर आए, दुरुस्त आए की तर्ज पर लगा भी दी।

विशेष

अखण्ड सौभाग्य का पर्व : हरतालिका तीज

डॉ. रीना रवि मालपानी

मोबाइल : 9039551172

शिव-शक्ति को गृहस्थ जीवन का आदर्श माना गया है। शक्ति स्वरूपा माता पार्वती ने सदैव शिव के गुणों का वरण किया है। शिव जी ही माता पार्वती के पति होंगे उक्त बात नारद जी द्वारा माता पार्वती को बताई गई थी। शिवजी को वर रूप में प्राप्त करने के लिए जगत जननी माँ पार्वती ने अत्यधिक कठिन तपस्या की। सप्त ऋषि भी उनकी परीक्षा लेने आए एवं माता पार्वती को शिव शंकर की वेशभूषा तथा दैनिक दिनचर्या का वर्णन किया और उन्हें अपना निर्णय बदलने के लिए उकसाया, परन्तु माता पार्वती तो श्रृद्धा एवं विश्वास की प्रतिमूर्ति है। वे शिवजी के कल्याण स्वरूप को पहचानती थी। सत्यम शिवम सुंदरम ही शिव का सत्य स्वरूप है। पार्वतीजी बाहरी आडम्बर के विरुद्ध भीतर की सच्चाई से परिचित थी।

शिव को करुणावतार कहा जाता है। शिव तो सच्चे हृदय के स्वामी है, तभी तो संसार की रक्षा के लिए विष को भी सहर्ष स्वीकार कर लेते है। भगवती तो अनंत शक्ति की प्रतिक है और माँ की कृपा तो जीवन को पूर्णता प्रदान करती है। वास्तव में इस मनुष्ययोनि में महेश और भवानी तो हमारे माता-पिता का ही स्वरूप है जो सदैव भक्तो को आशीष प्रदान करते है। उनका गृहस्थ जीवन माया से नहीं बल्कि जीवन में आनंद से सुशोभित है। शिव सदैव आनंद की अवस्था में विद्यमान रहते है। शिव परिवार तो सर्वत्र पूजा जाता है। यहाँ तक कि भोलेनाथ के पौत्र शुभ-लाभ भी पूजन के अधिकारी है। उन्हीं शिव-पार्वती का वरदान यदि गृहस्थ को मिल जाए तो जीवन में और कुछ पाना शेष नहीं रह जाता।

इस व्रत में निर्जल रहकर शिव-पार्वती की आराधना एवं पूजा की जाती है। विधि-विधान से पूजन किया जाता है। सुहागिन के साथ-साथ कन्याएँ भी इस व्रत को करती है और सुन्दर श्रृंगार से सुशोभित होती है। यह तीज-त्यौहार हमें ईश्वर से जुड़ने के लिए प्रेरित करते है। हरतालिका तीज का व्रत एक बार प्रारम्भ करने के पश्चात जीवनपर्यन्त खंडित नहीं किया जा सकता है। हरतालिका तीज के विधान में वर्णित है कि माता पार्वती ने शिवजी का पार्थिव शिवलिंग बनाकर उसका पूजन-अर्चन किया तथा कठोर तपस्या की। उनकी इस तपस्या को महादेव ने स्वीकार किया और जन्म-जन्मान्तर तक शक्ति का ही अर्धांगिनी के रूप में वरण किया। शिव का अर्द्धनारीश्वर स्वरूप अत्यंत पूजनीय है, जिसमें शिव-शक्ति की समानता का दर्शन होता है। इस दिन शिव-पार्वती के नामों का उच्चारण एवं भजन-कीर्तन करना चाहिए। सोलह श्रृंगार का विधान इस पर्व में है। ईश्वर की भक्ति तो प्रत्येक परिस्थिति में कल्याण और कृपा का पात्र भक्त को बनाती है, बस हृदय में पवित्रता और शृद्धा-भक्ति होनी चाहिए। भक्ति में निर्मल भावों की प्रधानता होती है। भोलेनाथ और भवानी तो भक्तवत्सल है, जो गृहस्थ जीवन को सुखी एवं आनंदमय बनाने का आशीर्वाद प्रदान करते है।

नजरिया

हरतालिका तीज - स्त्रियों की आस्था एवं संकल्प का पर्व

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

हरतालिका तीज भारतीय संस्कृति और आस्था का वह पर्व है, जो केवल धार्मिक परंपरा का निर्वाह नहीं करता, बल्कि नारी-शक्ति, आत्मबल और समर्पण की गहन अभिव्यक्ति भी है। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाने वाला यह व्रत उत्तर भारत, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बिहार, झारखंड और नेपाल के अनेक हिस्सों में अत्यधिक श्रद्धा और उत्साह से संपन्न होता है। इस वर्ष यह तिथि 26 अगस्त 2025, मंगलवार को पड़ रही है। हरतालिका तीज को सबसे कठिन व्रतों में गिना जाता है। विवाहित महिलाएँ इस दिन निर्जला उपवास रखती हैं और अपने पति की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य और दांपत्य जीवन की समृद्धि की कामना करती हैं। अविवाहित कन्याएँ भी यह व्रत करती हैं ताकि उन्हें योग्य वर की प्राप्ति हो। इस प्रकार यह पर्व केवल पारिवारिक संबंधों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि स्त्रियों के व्यक्तिगत अधिकारों और इच्छाओं की पूर्ति का माध्यम भी बनता है।

इस व्रत का संबंध भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह से जुड़ा है। पौराणिक कथा के अनुसार, माता सती ने अपने पिता दक्ष के यज्ञ में देह त्यागने के बाद पर्वतराज हिमवान के घर पार्वती के रूप में पुनर्जन्म लिया। बचपन से ही उनका हृदय भगवान शिव को पति रूप में पाने की चाह से भरा हुआ था। किंतु हिमवान, जिन्हें हिमनरेश की उपाधि दी गई थी, अपनी पुत्री का विवाह भगवान विष्णु से करना चाहते थे। नारद मुनि के परामर्श पर जब यह प्रस्ताव सामने आया, तो हिमवान सहर्ष तैयार हो गए। यह समाचार पार्वती को गहन पीड़ा देने वाला था। अपनी इच्छा और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए वे अपनी सखी के साथ वन की ओर चली गईं। जंगल में पार्वती ने मिट्टी से शिवलिंग बनाकर कठोर तपस्या आरंभ कर दी। उनका यह संकल्प और तप

असाधारण था। तपस्या के इस अदम्य बल से भगवान शिव प्रसन्न हुए और उन्होंने पार्वती को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार कर लिया। भाद्रपद शुक्ल तृतीया के दिन ही दोनों का पावन विवाह हुआ। तभी से यह तिथि हरतालिका तीज के रूप में मनाई जाने लगी। इस व्रत का नाम भी इसी कथा से जुड़ा है। 'हरि' का अर्थ है हरण करना और 'तालिका' का अर्थ है सखी। क्योंकि पार्वती की सखी ने उनका हरण कर उन्हें वन में ले जाकर अनचाहे विवाह से बचाया था।

हरतालिका तीज के अवसर पर पूजा-विधान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रातः स्नान कर महिलाएँ स्वच्छ वस्त्र धारण करती हैं। पारंपरिक रूप से हरे या लाल रंग की साड़ियाँ इस दिन शुभ मानी जाती हैं। पूजा स्थान पर चौकी पर लाल या पीला वस्त्र बिछाकर शिव-पार्वती और गणेश जी की प्रतिमाएँ या चित्र स्थापित किए जाते हैं। सबसे पहले गणेश जी की पूजा होती है और उसके बाद भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना की जाती है। भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा, चंदन और जनेऊ अर्पित किए जाते हैं, वहीं पार्वती को श्रृंगार सामग्री-सिंदूर, चूड़ियाँ, बिंदी, महावर, इत्र और कंघी समर्पित की जाती हैं। महिलाएँ इस दिन व्रत कथा का पाठ या श्रवण करती हैं और अंत में आरती करके प्रसाद अर्पित करती हैं। व्रत का पारण अगले दिन सूर्योदय के बाद सात्विक भोजन के साथ किया जाता है। किसी भी धार्मिक अनुष्ठान का महत्व केवल कर्मकांड तक सीमित नहीं होता। हरतालिका तीज का वास्तविक महत्व समाज और संस्कृति के गहरे आयामों से जुड़ा है। यह पर्व महिलाओं के सामूहिक उत्सव का दिन होता है। वे पारंपरिक श्रृंगार करती हैं, मेंहदी रचाती हैं, झूले झूलती हैं और एक-दूसरे के साथ लोकगीत गाती हैं।

यह पर्व स्त्री-शक्ति और आत्मबल का प्रतीक भी है। माता पार्वती की कथा केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि स्त्री-सशक्तिकरण के रूप में भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपनी इच्छा के विरुद्ध होने वाले विवाह को अस्वीकार कर अपने संकल्प और तपस्या से जीवन की दिशा स्वयं तय की। यह नारी आत्मनिर्णय, आत्मसम्मान और दृढ़ निश्चय का ऐसा संदेश है, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना प्राचीन काल में था। आज के वैज्ञानिक और आधुनिक युग में भी हरतालिका तीज का महत्व कम नहीं हुआ है। स्वास्थ्य की दृष्टि से देखा जाए तो उपवास शरीर को डिटॉक्स करने का कार्य करता है, पाचन तंत्र को विश्राम देता है और रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। वर्षा ऋतु के अंतिम चरण में यह उपवास संक्रमण और मौसमी बीमारियों से बचाव में भी सहायक सिद्ध होता है। मानसिक दृष्टि से भजन, कीर्तन और ध्यान से मन में शांति और सकारात्मक ऊर्जा आती है। सामूहिक अनुष्ठान सामाजिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाते हैं और आपसी सहयोग की भावना को बढ़ावा देते हैं। इसके साथ ही इस पर्व का एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय पहलू भी है। पूजा में मिट्टी की प्रतिमाओं का उपयोग, बेलपत्र, पीपल, तुलसी और स्थानीय फूल-पत्तियों का प्रयोग प्रकृति-संरक्षण का संदेश देता है। यह परंपरा हमें बताती है कि धर्म केवल ईश्वर-भक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि उसका उद्देश्य प्रकृति और समाज के साथ संतुलन स्थापित करना भी है।

हरतालिका तीज का संदेश केवल इतना ही नहीं कि महिलाएँ अपने पति की दीर्घायु की कामना करें, बल्कि इसका गहरा अर्थ यह है कि स्त्री जीवन शक्ति और त्याग का अद्भुत संगम है। इस व्रत के माध्यम से वह अपने भीतर के आत्मबल को पहचानती है और समाज को यह संदेश देती है कि विश्वास, धैर्य और समर्पण के साथ हर कठिनाई का सामना किया जा सकता है। आज जब जीवनशैली तेज़ हो गई है और परिवारों में समय और संवाद की कमी दिखाई देती है, तब हरतालिका तीज जैसे पर्व हमें पुनः सामूहिकता, एकता और पारिवारिक मूल्यों की ओर लौटने का अवसर देते हैं। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि भारतीय संस्कृति में त्योहार केवल रस्म नहीं, बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक जीवन का आधार हैं।

हरतालिका तीज का वास्तविक सौंदर्य इसी में है कि यह आस्था, स्वास्थ्य, पर्यावरण और संस्कृति का संगम है। यह पर्व स्त्री-शक्ति की उस अनंत धारा का प्रतीक है, जो हर युग में समाज को दिशा देती आई है। यही इसकी विशिष्टता है और यही भारतीय संस्कृति का अमर संदेश भी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

बचपन में शर्मीला था, सोचा नहीं था अंतरिक्ष की यात्रा करूंगा: शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली/भाषा। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने रविवार को कहा कि वह बचपन में शर्मीले और संकोची स्वभाव के थे तथा राकेश शर्मा की 1984 की अंतरिक्ष यात्रा की कहानियों को सुनकर बड़े हुए हैं। राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले भारत के दूसरे अंतरिक्ष यात्री शुक्ला रविवार को स्कूली छात्रों से मिले और उन्हें प्रोत्साहित किया।

दिल्ली के सुब्रतो पार्क स्थित वायुसेना सभागार में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्ला और 'गगनयान' मिशन के लिए चुने गए तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को सम्मानित किया। अपने जानने वालों के बीच 'शुक्स' के नाम से चर्चित शुक्ला ने कार्यक्रम में भारतीय वायु सेना (आईएएफ) में शामिल होने के अपने सफर और 'एक्सिओम-4' मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करने के अनुभवों एवं चुनौतियों को साझा किया। उन्होंने कहा, मैं शर्मीले और संकोची स्वभाव का व्यक्ति था। बचपन में हम राकेश शर्मा की अंतरिक्ष यात्रा की कहानियां सुना करते थे। शुक्ला ने अपने जीवन में आए बदलाव का श्रेय भारतीय वायु सेना को देते हुए कहा कि सामान्य रूप से भारतीय वायु

सेना और विशेष रूप से कॉकपिट उनके जीवन में महान शिक्षक रहे हैं। मंच पर और मंच के नीचे हर कोई उन्हें सुनने के लिए, उनसे मिलने के लिए आतुर था तथा सभी मुक्त स्वर से उनकी प्रशंसा कर रहे थे। इस दौरान शुक्ला के व्यक्तित्व का दयालु और पारिवार का ख्याल रखने वाला पहलू भी सामने आया, जब सेल्फी और ऑटोग्राफ लेने वालों की उत्साहित भीड़ के बीच भी, वह यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे थे कि पत्नी और छोटा बेटा उनके पास ही रहें।

लखनऊ में जन्मे शुक्ला (40) साधारण पृष्ठभूमि में पले-बढ़े। वह असैन्य परिवार से आते थे, लेकिन उन्होंने भारतीय वायु सेना में शामिल होने का फैसला किया। शुक्ला ने लगभग 30 मिनट के संबोधन में कहा, शुरू में मेरा रक्षा बल का हिस्सा बनने का कोई इरादा नहीं था, लेकिन मैं वायु सेना में शामिल हो गया। मैंने एक फॉर्म भरा, जो मेरे दोस्त ने खरीदा था। अंततः चीजें आगे बढ़ती गईं और मैं एनडीए (राष्ट्रीय रक्षा अकादमी) में पहुंच गया। उन्होंने कहा कि वायुसेना का प्रशिक्षण आपको ''जीवन में आने वाली हर चुनौतियों और कठिनाइयों का सामना करने के लिए तैयार करता है। देश के दूसरे अंतरिक्ष यात्री ने कहा, यह आपको जीवन के लिए तैयार करता है, यह आपको सफलता के लिए तैयार करता है।

शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बने। वह 'एक्सिओम-4' मिशन के तहत 20 दिनों के अंतरिक्ष प्रवास के बाद पिछले महीने अपने साथी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ धरती पर लौटे। शुक्ला ने बृहस्पतिवार को 'साउथ ब्लॉक' में राजनाथ सिंह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अपनी अंतरिक्ष यात्रा, कक्षा में किए गए प्रयोगों और भारत के अग्रणी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम 'गगनयान' पर चर्चा की। शुक्ला ने अंतरिक्ष की कक्षा में रहते हुए ''सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण संबंधी चुनौतियों'' से जुड़े कुछ हास्य-व्यंग्यपूर्ण किस्से भी साझा किए।

भारत रूसी तेल की खरीद से जुड़ी ट्रंप की चिंताओं को गंभीरता से ले: निक्की हेली

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी की नेता निक्की हेली ने कहा है कि भारत को रूसी कच्चे तेल की खरीद को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चिंताओं को गंभीरता से लेना चाहिए और इस मुद्दे का समाधान निकालने के लिए व्हाइट हाउस के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

ट्रंप प्रशासन रूस से रियायती दर पर कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत की कड़ी आलोचना करता रहा है। दिलचस्प बात यह है कि वाशिंगटन रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े आयातक चीन की आलोचना नहीं कर रहा है। रूस से कच्चे तेल की अपनी खरीद का बचाव करते हुए भारत यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाजार की गतिशीलता से प्रेरित है।

भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता हेली ने शनिवार को 'एक्स' पर चार दिन पहले न्यूजवीक के लिए लिखे अपने लेख का एक अंश पोस्ट किया। साउथ कैरोलिना की पूर्व गवर्नर ने सोशल मीडिया पर नई दिल्ली से रूसी कच्चे तेल पर राष्ट्रपति ट्रंप की चिंताओं को गंभीरता से लेने का आग्रह करते हुए यह पोस्ट ऐसे समय किया है जब इस लेख के बाद उन्हें अपनी पार्टी के भीतर आलोचना का सामना करना पड़ा है।

अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी की नेता निक्की हेली ने कहा कि भारत को रूसी तेल पर ट्रंप की बात को गंभीरता से लेना चाहिए और समाधान खोजने के लिए व्हाइट हाउस के साथ काम करना चाहिए।

हेली ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, व्यापार संबंधी मतभेदों और रूसी तेल आयात जैसे मुद्दों से निपटने के लिए कठोर बातचीत की आवश्यकता है।

उनका लेख राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में आए तनाव पर था। हेली को दोनों देशों के बीच शुल्क को लेकर तनाव के बीच भारत का पक्ष लेने के लिए अपनी पार्टी के भीतर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने अपने लेख में कहा था कि भारत के साथ एक ''अहम स्वतंत्र और लोकतांत्रिक साझेदार की तरह व्यवहार किया जाना चाहिए, न कि चीन जैसे विरोधी की तरह।

हेली ने लिखा, एशिया में चीनी प्रभुत्व को चुनौती देने वाले एकमात्र देश के साथ 25 वर्षों की गति को बाधित करना एक रणनीतिक आपदा होगा।

सिख गुरुओं ने अपना बलिदान देकर सनातन की रक्षा की : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि सिख गुरुओं ने अपना बलिदान देकर सनातन की रक्षा की। योगी ने रविवार को यहां पैडलेगंज स्थित गुरुद्वारा में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि इतिहास में वही जाति और कौम जीवित रहती है, जो अपने पूर्वजों के शौर्य, पराक्रम और बलिदान को जीवन का हिस्सा बनाती है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा, सिख गुरुओं ने सदैव सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनकी वीरता, त्याग और बलिदान देश की आत्मा में आज भी जीवित है।

इस अवसर पर उन्होंने पर्यटन विकास कार्यों, गुरुद्वारा भवन के नए स्वरूप और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार कार्यों का लोकार्पण किया।

पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के प्रकाश पर्व पर आयोजित समागम में मुख्यमंत्री ने गुरुवाणी सुनी और संगत में शामिल हुए। गुरुद्वारा समिति की ओर से उन्हें प्रतीक चिह्न और शॉल ओढ़ाकर

सम्मानित भी किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख गुरुओं की परंपरा अनुपम और अटूट रही है। गुरु नानक देव जी से लेकर गुरु गोविंद सिंह जी महाराज तक, हर गुरु ने सनातन धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उन्होंने कहा कि जब भी भारतीय संस्कृति पर संकट आया, सिख गुरुओं ने आगे बढ़कर अपने बलिदान से उसे बचाया। योगी ने विशेष रूप से गुरु तेग बहादुर जी की शहादत को याद किया। उन्होंने कहा कि उनके बलिदान के 350वें वर्ष में देशभर में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री आवास से नगर कीर्तन और कीर्तन पाठ के जरिये इस आयोजन की शुरुआत हुई। इसी तरह गुरु नानक देव जी महाराज के 550वें प्रकाश पर्व पर भी मुख्यमंत्री आवास पर पहली बार गुरुवाणी का आयोजन हुआ था। योगी ने गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के चार साहिबजादों बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि उनका बलिदान भारतीय इतिहास का गौरवशाली अध्याय है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पैडलेगंज का यह गुरुद्वारा वर्षों से सिख संगत की आस्था का केंद्र रहा है। पहले यहां सुविधाओं का अभाव था, लेकिन अब पर्यटन विभाग और सरकार की मदद से इसे आधुनिक स्वरूप प्रदान किया गया है। योगी ने गोरखपुर में सिख समुदाय की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि यह आयोजन पूर्वी उत्तर प्रदेश के सिख समुदाय को एकजुट करने का अवसर है।

इस दौरान सांसद रवि किशन शुक्ला, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, कालीबाड़ी के महंत रवींद्र दास समेत गुरुद्वारा कमेटी के वरिष्ठ सदस्य एवं सिख समुदाय के कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

फिल्म 'उफ्फ ये सियापा' पांच सितंबर को रिलीज होगी

नयी दिल्ली/भाषा

अभिनेत्री नुसरत भरुचा आने वाली कॉमेडी फिल्म 'उफ्फ ये सियापा' में नजर आएंगी और यह फिल्म पांच सितंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन जी अशोक ने किया है, जो 'पिल्ला जमींदार', 'भागमती' और 'सुकुमारुडु' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। इसका निर्माण लव रंजन और अंकुर गर्ग ने किया है।

भरुचा ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर फिल्म का एक पोस्टर अपलोड किया और यह खबर साझा की। पोस्टर पर लिखा है, ''प्यार में भोली... गुस्से में बंदूक की गोली।'' उन्होंने लिखा, ''हमारे नायकों से मिलिए। उफ्फ ये सियापा पांच सितंबर से सिनेमाघरों में।'' फिल्म में भरुचा के अलावा नोरा फतेही, सोहम शाह, ओमकार कपूर और शारिब हाशमी जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।

निर्माता के तौर सिने जगत में कदम रखेंगे मनीष मल्होत्रा

नयी दिल्ली/भाषा

सिने जगत में निर्माता के तौर पर पदार्पण करने के लिए तैयार डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने अपनी पहली फिल्म के नाम का ऐलान कर दिया है। गुस्ताख इश्क नाम की यह फिल्म नवंबर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में विजय वर्मा, फातिमा सना शेख और नसीरुद्दीन शाह मुख्य भूमिका में में होंगे। मल्होत्रा ने रविवार सुबह इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए यह खबर साझा की।

उन्होंने बताया कि बचपन से ही उन्हें सिनेमा से गहरा लगाव रहा है। मल्होत्रा ने लिखा, बचपन से ही सिनेमा के प्रति मेरे दिल में गहरा इश्क़ रहा है। कहानियों का जादू, परदे की चमक, और वो भावनाएं जो पर्दे पर 'द एंड' आने के बाद भी दिल में रहती हैं इस प्यार ने मुझे गढ़ा है। और आज, उसी इश्क़ की बदौलत एक

सपना सच होते देखना मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी है। फिल्म की पहली झलक सोमवार को देखने को मिलेगी।

उन्होंने कहा, इस साल नवंबर में एक निर्माता के रूप में मेरी पहली फिल्म 'गुस्ताख इश्क' सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस सोमवार मैं आपके साथ 'गुस्ताख इश्क' की पहली झलक साझा करूंगा। फिल्म का निर्देशन विभू पुरी कर रहे हैं जबकि संगीत विशाल भारद्वाज का है।

हिरासत

विवार को लखनऊ में 6,800 रिक्त पदों पर नियुक्ति को लेकर उपमुख्यमंत्री आवास के पास शिक्षक अभ्यर्थियों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

प्रचार

बॉलीवुड अभिनेता जाह्नवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा उज्जैन के श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में अपनी आगामी फिल्म परम सुंदरी के प्रचार के दौरान।

श्रद्धा कपूर के लिंकडिन अकाउंट को फर्जी बताया गया

नयी दिल्ली/भाषा

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने लिंकडिन से अपील करते हुए कहा है कि उनके अकाउंट को फर्जी बताया गया है, जिसकी वजह से वह इसका इस्तेमाल नहीं कर पा रही हैं। हॉरर कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' में अंतिम बार नजर आयीं 38 वर्षीय श्रद्धा ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर एक नोट साझा किया। श्रद्धा कपूर ने लिंकडिन को टैग करते हुए बताया कि उन्हें इस सोशल मीडिया मंच पर 'प्रोफाइल' बनाते समय कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने लिखा, प्रिय लिंकडिन, मैं अपना अकाउंट इस्तेमाल नहीं कर पा रही हूं क्योंकि लिंकडिन को लगता है कि यह फर्जी है। क्या कोई मेरी मदद कर सकता है।

अभिनेत्री ने कहा, अकाउंट बना, यह प्रीमियम और सत्यापित है, लेकिन कोई और इसे नहीं देख सकता। मैं अपनी उद्यमिता का सफर साझा करना चाहती हूं लेकिन

अकाउंट बनाना अपने आप में एक सफर बन गया है। फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' में मुख्य किरदार निभाने वाले श्रद्धा ज्वेलरी ब्रांड 'पामोनास' की सह-संस्थापक और ब्रांड एंबेसडर हैं। इस ब्रांड की स्थापना 2022 में हुई थी। श्रद्धा की पिछली फिल्म 'स्त्री 2' पंद्रह अगस्त, 2024 को रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। अमर कौशिक द्वारा निर्देशित इस फिल्म में राजकुमार राव, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना भी थे। यह 2018 में आई फिल्म 'स्त्री' का सीक्वल थी।

रेजिना कैसेंड्रा ने 'द वाइव्स' का पहला शेड्यूल पूरा किया

मुंबई/एजेन्सी

वेब सीरीज 'रॉकेट बॉयज' और 'जाट' फिल्म में दमदार किरदार निभाकर सुर्खियों में आने वाली अभिनेत्री रेजिना कैसेंड्रा ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'द वाइव्स' का पहला शेड्यूल खत्म कर लिया है। रेजिना ने हाल ही में सोशल मीडिया पर 'पर्दे के पीछे' की कुछ मजेदार तस्वीरें साझा कर इसकी जानकारी दी थी। तस्वीर में वह काले रंग के स्टाइलिश आउटफिट में नजर आईं, उनके हाथ में 'द वाइव्स' लिखा क्लैपरबोर्ड था। रेजिना ने फिल्म की शूटिंग के बारे में आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'द वाइव्स' के शेड्यूल को पूरा करना मेरे लिए एक रोलर-कोस्टर जैसा था। पिछले एक महीने से मैं हिंदी और तमिल के बीच संतुलन बना रही हूं। एक सफल शेड्यूल से दूसरे शेड्यूल की ओर बढ़ रही हूं। जहां बॉलीवुड में मैं मधुर भंडारकर के साथ 'द वाइव्स' कर रही हूं, वहीं कोलिवुड (तमिल सिनेमा) में सुंदर. सी. के साथ 'मूकुथी अम्मन 2' की शूटिंग कर रही हूं। मुझे अलग-अलग दुनियाओं के बीच आना-जाना पसंद है। यही वो जिंदगी है जो मैंने अपने लिए चाही थी। मैं अपने सपने को जी रही हूं। बता दें, फिल्म 'द वाइव्स' का निर्देशन मधुर भंडारकर कर रहे हैं। यह फिल्म बॉलीवुड स्टार्स की पत्नियों की चमकदार लेकिन उतार-चढ़ाव भरी जिंदगी को दिखाती है। फिल्म में दिखाया जाएगा कि इन स्टार वाइव्स की जिंदगी के पीछे क्या-क्या छुपे हुए सच, बड़े विवाद और उनकी शाही लाइफस्टाइल होती है।

मिस्ट्री प्रोजेक्ट अलर्ट : मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने फिल्म सेट से दिया हिंट

मुंबई/एजेन्सी

अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट को लेकर बढ़ती चर्चाओं के बीच, मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने एक नई बीटीएस (बिहाइंड-द-सीन्स) झलक साझा कर फैंस को उत्साहित कर दिया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें एक विशाल प्रोडक्शन सेट दिखाई दे रहा है, जहां भारी लाइटिंग रिग्स, जटिल वेंटिलेशन सिस्टम और क्रू मेंबर्स की भीड़ मौजूद है, जो किसी बड़े प्रोजेक्ट की ओर इशारा कर रहा है। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा: यह एक हाउसफुल है जिससे यह साफ है कि यह एक मज़ेदार टीज़र है जो लोगों की जिज्ञासा को और बढ़ा रहा है। साल 2025 में 'मालिक' और 'तेहरान' जैसी फिल्मों में अलग-अलग किरदार निभाकर मानुषी ने

दर्शकों का ध्यान खींचा और सराहना भी बटोरी। अब तक उन्होंने जो प्रोजेक्ट्स चुने हैं, वे अलग-अलग जॉनर में रहे हैंऐसे में उम्मीद की जा सकती है कि उनका अगला प्रोजेक्ट भी कुछ अनोखा होगा।

क्या वह किसी हाई-कॉन्सेप्ट वेब सीरीज़ का हिस्सा हैं? या फिर किसी पीरियड ड्रामा में नज़र आने वाली हैं जिसमें एक बड़ा स्टारकास्ट हो? या शायद कोई हाई-एंड फैशन कमर्शियल जिसमें सिनेमा जैसा फील हो? बैकग्राउंड में नजर आने वाला विंटेज स्टाइल सेट और विशाल स्केल का प्रोडक्शन किसी म्यूज़िक वीडियो या इंटरनेशनल कोलेबरेशन की ओर भी इशारा कर सकता है।

हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, इसलिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स और फैन फोरम्स पर चर्चाओं का दौर लगातार जारी है। चाहे यह फिल्म हो या किसी लग्ज़री ब्रांड का एंडोर्समेंट, एक बात तो तय हैमानुषी छिल्लर अपने फैंस को कयास लगाने पर मजबूर करना अच्छे से जानती हैं। जब तक इस रहस्यमयी प्रोजेक्ट से पर्दा नहीं उठता, तब तक सभी की नजरें उनके सोशल मीडिया और हर इढड हिंट पर टिकी रहेंगी।

मौत की झूठी खबर पर भड़के अभिनेता रजा मुराद, दर्ज कराई शिकायत

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता रजा मुराद ने अपनी मौत की झूठी खबर फैलने के बाद मुंबई के अंबोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। इस शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया है कि सोशल मीडिया पर उनकी मृत्यु के बारे में एक फर्जी पोस्ट वायरल हुई, जिसके कारण उन्हें और उनके परिवार को मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा। रजा मुराद ने स्पष्ट किया कि वह पूरी तरह स्वस्थ और जीवित हैं, लेकिन बार-बार ऐसी अफवाहों का खंडन करते-करते वह थक चुके हैं। रजा मुराद ने कहा, मैं अभी जिंदा हूं और पूरी तरह स्वस्थ हूं। यह बहुत दुखद है कि कुछ लोग बिना सोचे-समझे ऐसी अफवाहें फैलाते हैं। मैं इन अफवाहों पर बार-बार सफाई देते हुए थक गया हूं। यह न सिर्फ मेरे लिए, बल्कि मेरे परिवार और प्रशंसकों के लिए भी परेशानी का सबब बन गया है।

रजा मुराद ने कहा, लोगों को यह बताते-बताते मेरा गला, जीभ और होंठ सूख गए हैं कि मैं जीवित हूं। यह झूठी खबर हर जगह फैल गई है। मुझे दुनिया भर से फोन और संदेश आ रहे हैं। लोग मुझे पोस्ट की स्क्रीनशॉट भी भेज रहे हैं। उन्होंने इस तरह की अफवाहों को 'शर्मनाक' करार देते हुए इसे फैलाने वालों की मानसिकता पर सवाल उठाया। उनके अनुसार, ऐसा काम वही लोग करते हैं जो जीवन में कुछ हासिल नहीं कर पाते और सस्ती लोकप्रियता के लिए ऐसी हरकतें करते हैं।

उन्होंने इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना हरकतों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस के अनुसार, रजा मुराद की शिकायत के आधार पर अंबोली पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल पोस्ट और उसके पीछे के लोगों की पहचान करने के लिए साइबर सेल की मदद ली है। रजा मुराद अपनी दमदार आवाज और प्रभावशाली अभिनय के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्मों जैसे 'पद्मावत', 'बाजीराव मस्तानी' और 'जोधा अकबर' में यादगार किरदार निभाए हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 25-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय दिगम्बर समाज के विशिष्ट पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने अधिवक्ता के साथ मिलकर कर्नाटक के राज्यपाल थावरचन्द गहलोत से मुलाकात कर ज्ञापन दिया।

मनुष्य को गुमान करने से बचना चाहिए : संत ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि पर्वाधिराज के पावन समय में सभी आगम वाणी का आस्वादन कर रहे हैं। एक छोटा पाप भी मनुष्य के पूरे परिवार को तबाह कर सकता है। जैसी करनी होगी वैसी ही भरनी होगी। मानव पैसों और सुंदरता समेत कई चीजों पर अभियान करता है, लेकिन एक क्षण में सभी चीजें मिट्टी में मिल सकती हैं। यह जानने के बावजूद अभिमान कर मनुष्य नीच गति में बढता जा रहा है। जीवन में किसी को भी किसी चीज के लिए गुमान नहीं करना चाहिए। जो आज है वह कल नहीं होगा। जो अपना है ही नहीं उसको लेकर गुमान कर के अपने कर्मों को बांधने का कार्य करने से बचें। संतश्री ने कहा कि गुमान करने वाले मनुष्य को नीच गति में ही जाना होगा। मनुष्य धन देखकर मन ही मन फूल जाता है, उसको गुमान हो जाता है कि अब उसको किसी की जरूरत नहीं है। मनुष्य कुछ लेकर भी नहीं आया था और कुछ लेकर भी नहीं जाएगा। जब काल आएगा तो धन दौलत, सुंदरता सभी धरी रह जाएगी। पर्युषण का यह पर्व मनुष्य को यही शिक्षा देने के लिए आता है कि किसी चीज को लेकर गुमान नहीं करना चाहिए। अगर कुछ साथ जाएगा तो वह मनुष्य का तप, त्याग, तपस्या और धर्म ध्यान है, इसलिए धर्म ध्यान में ध्यान केंद्रीत करने का प्रयास करना चाहिए। गुमान करके मनुष्य अपनी गति को नीच गति में परिवर्तित कर रहा है, इसलिए नीच गति में जाने से बचने के लिए गुमान करने से बचना चाहिए। मंगलवार को प्रवचन में प्रवर्तक गुरुदेव श्री पन्नालालजी की जयंती मनाई जाएगी। इस मौके पर अनेक तपस्वियों ने विभिन्न तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। सभी का स्वागत संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने किया। संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

स्वाध्याय भवन में पर्युषण पर्व आराधना व अन्य धार्मिक अनुष्ठान गतिमान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ कर्नाटक के तत्वावधान में राजाजीनगर स्थित स्वाध्याय भवन में चल रहे पर्युषण महापर्व के मौके पर रविवार को संघ के अध्यक्ष निर्मल बम्ब ने सभी का स्वागत किया। उपाध्यक्ष सज्जनराज मेहता ने बताया कि आराधना में स्वाध्यायी प्राचार्य प्रकाशचंद जैन ने धर्म के चार घटक दान, शील, तप, भाव से जुड़कर जन जन लाभान्वित होकर धर्म आराधक बनने की बात कही। उन्होंने कहा कि जो देने वाला होता है दानदाता। लेने का भाव नहीं रखते हुए जीवन में नदी की तरह या सूर्य की तरह गतिमान रहते हुए सर्वस्व लुटाकर सुख की अनुभूति प्राप्त करना सच्चा दान है। राजा भोज जैसे दानदाता बने या शेरसिंह जैसे वीर जिसने स्वयं की आहुति देकर सैकड़ों की प्राणरक्षा की। उनके सान्निध्य में प्रार्थना, प्रवचन, प्राकृत भाषा के शिविर तथा प्रतिक्रमण की व्यवस्था सुचारू रूप से चल रही हैं। मुमुक्षु प्रतीक्षा ने कृतज्ञता पर प्रेरक उदबोधन में कहा कि जिस श्रावक श्राविका में कृतज्ञता का गुण पनपा तो समझो स्वतः ही सारे अन्य गुण प्राप्त करने की क्षमता कई गुणा विकसित हो जाती हैं । उपकारी के गुणों की अनुमोदना नितांत आवश्यक हैं और जब भी सुअवसर प्राप्त हो, चिंतन करते हुए माता-पिता, देव, गुरु, धर्म और उपकारी के उपकार का स्मरण कर कृतज्ञता व्यक्त कर आपसी संबंधों को ज्यादा जीवंत और जीवट बना सकते हैं । ङ्कस्वाध्यायी कांता जैन और ज्योति जैन के सान्निध्य में श्राविका मंडल की अध्यक्ष प्रभा गुलेच्छा, संगीता मेहता, युवक संघ के अध्यक्ष विशाल नाहटा और मंत्री प्रदीप भन्साली के सहयोग से अंतगढ़ दशासूत्र का रोचक व्याख्यान जारी हैं। संचालन उपाध्यक्ष गौतमचंद ओस्तवाल ने किया। पूर्व अध्यक्ष यशवन्तराज सांखला, पदमराज मेहता, नरेंद्र भंडारी, उपाध्यक्ष रमेश गुंदेचा आदि विभिन्न व्यवस्था संभाल रहे हैं ।

दिगम्बर समाज के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से की मुलाकात

29 अगस्त को सामूहिक रूप से विरोध प्रदर्शन किया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय दिगम्बर समाज के विशिष्ट पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने अधिवक्ता के साथ मिलकर कर्नाटक के राज्यपाल थावरचन्द गहलोत से मुलाकात कर ज्ञापन दिया। ज्ञापन में कहा गया है कि डॉ वीरेंद्र हेगड़े के बारे में अपमानजनक और अवांछित टिप्पणी पूरे कर्नाटक में सांप्रदायिक सौहार्द्र के लिए खतरा पैदा करती है। हम सब इस प्रकार की दुर्भावना पूर्ण गतिविधियों का कड़ा विरोध और निंदा करते हैं और सम्मान पूर्वक आपसे अनुरोध करते हैं कि इस दुष्प्रचार में संलग्न लोगों के खिलाफ तत्काल और उचित कानूनी कार्रवाई करें। अरिहंत गिरि के भट्टारक स्वस्ति श्री धवल कीर्ति स्वामी जी, कनकगिरि के भट्टारक स्वस्तिश्री भुवन कीर्ति स्वामीजी, स्वादी मठ के श्री भट्टाकलंक स्वामी जी श्रवण बेलगोला के अभिनव चारुकीर्ति स्वामीजी, अरतिपुर के श्री सिद्धांत कीर्ति स्वामीजी, गुजरात समवशरण तीर्थ के विचार पट्ट भट्टारक श्री प्रमेय सागर स्वामीजी के सान्निध्य में इस विषय की गंभीरता को लेकर बैठक की गई और घोषणा कि आगामी 29 अगस्त को श्री क्षेत्र धर्मस्थल में विशाल स्तर पर इसका विरोध सामूहिक रूप से किया जाएगा।

'जीतो जेवर एक्सपो' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे उपमुख्यमंत्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन नॉर्थ चैप्टर, जीतो अपेक्स-महिला विंग एवं जीतो-केकेजी ज़ोन के संयुक्त तत्वावधान में पैलेस ग्राउंड स्थित त्रिपुरावासिनी सभागर में आगामी 5 सितम्बर से आयोजित होने वाले तीन दिवसीय जीतो जेवर एक्सपो व दि ब्राइडल स्टोरी के लिए जीतो के एक प्रतिनिधिमंडल ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से भेंट कर उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में आमंत्रित किया। उप मुख्यमंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए स्वीकृति प्रदान की। इस मौके पर नॉर्थ चैप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया, महामंत्री विजय सिंघवी, सचिव प्रितेश जैन, संयोजक सुरेश गन्ना, सहसंयोजक संजीव गन्ना, राकेश पोखरना, प्रवीण गन्ना, प्रमोद भंडारी आदि उपस्थित थे।

क्षमा और समता की सर्वोत्कृष्ट साधना है सहनशीलता : डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने पर्युषण पर्व के पांचवें दिन अन्तगड सूत्र के माध्यम से क्षमा के सागर एवं अपूर्व सहनशीलता के धनी महान साधक मोक्षगामी आत्मा अर्जुनमाली के प्रेरणादायी कथानक पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि अर्जुनमाली ने छह महीने में कर्म बांधे और छह महीने में सब कर्मों को क्षय करके परम पद मुक्ति मोक्ष में पधार गए।

उन्होंने कहा कि प्रतिदिन छह पुरुष और एक स्त्री की हत्या जैसा जघन्यतम महापाप अपराध, हिंसा करने वाला ऐसा वह क्रूर, हिंसक पाप करने वाला अर्जुनमाली भी सुदर्शन श्रावक के प्रभाव से भगवान महावीर की शरण में जाकर दीक्षित हो जाता है और उसके जीवन का रुपान्तरण हो जाता है और वे अपने किए घोर पापों का प्रायश्चित करते हुए अपने जीवन में आने वाले सभी कष्ट, उपसर्गों को समता, समभाव से सहन करते हैं और तप, साधना, संयम, के बल पर सब कर्मों को नष्ट करके परम पद निर्वाण को प्राप्त कर लिया।

धन्य है अर्जुनमाली की अपूर्व सहनशीलता क्षमा और समता की सर्वोत्कृष्ट साधना और सहनशीलता। जिसके कारण वह आगम पृष्ठों पर हमेशा हमेशा के लिए अमर हो गए। यह तीर्थंकर परमात्मा भगवान महावीर का ही जिनशासन का प्रताप है कि इसकी शरण ग्रहण करने पर महापापी भी संसार सागर से पार हो जाता है।ङ्कमुनि श्री ने कहा कि भगवान महावीर का यह दिव्य जगत को अमर संदेश है कि घृणा पाप से करो, पापी से नहीं। धर्म सभा में अनेक श्रद्धालुओं ने विभिन्न तपस्याओ के प्रत्याख्यान प्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी म सा के मुखारविंद से ग्रहण किए। रूपेशमुनि जी ने अंतगड़ सूत्र की विवेचना की। संचालन राजेश मेहता ने किया।

महावीर पालना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूर में महावीर जिनालय प्रांगण में भगवान महावीर स्वामीजी का पालना एवं 14 सपनों की पूजन विधि बड़ी श्रद्धा एवं भक्ति भाव से सम्पन्न हुई। पूजन पश्चात लाभार्थी जतनाबाई चिमनलाल राठौड़ परिवार के निवास स्थान पर बड़े हर्ष और उल्लास के साथ पारणा एवं 14 सपना लेकर गए। इस अवसर पर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष कांतिलाल चौहान, उपाध्यक्ष वसंत राठौड़, मंत्री घेवरचंद सतावत, ट्रस्टी अशोक दांतेवाड़िया, जयंतीलाल राठौड़, रमेश चौहान, प्रकाश गांधी एवं राजू जैन सहित अन्य समाजबंधु उपस्थित थे।

जीवन को प्रकाशमय बनाएं, अणुव्रत को अपनाएं : साध्वी पुण्ययशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आरआर नगर स्थित तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी पुण्ययशा जी के सान्निध्य में पाँचवा दिन अणुव्रत चेतना दिवस के रूप में मनाया गया। साध्वीश्री पुण्ययशा जी ने कहा कि भगवान महावीर की भव श्रृंखला में त्रिपृष्ठ वासुदेव के भव पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस तरह क्रूर हिंसा के कारण उसके सातवें नरक का बंध होता है। अणुव्रत के नियमों का महत्व बताते हुए कहा कि व्रत द्वारा आने वाले कर्मों को रोका जा सकता है, जिससे आत्मा उज्वल बनती है तथा हम वीतराग पथ पर अग्रसर होते हैं। अणुव्रत जीवन के छोटे-छोटे नियम हैं, जिससे व्यक्ति जीवन जीने की कला सीखता है। अणुव्रत के माध्यम से जीवन को संयममय बनाया जा सकता है। साध्वी विनीतयशा जी ने कविता के माध्यम से अणुव्रत की महिमा को उजागर किया। साध्वी वर्धमानयशा जी ने अणुव्रत के माध्यम से हमारा जीवन किस प्रकार त्यागमय हो एवं हमारी जीवनशैली संयमित हो, व्रतों का हमारे जीवन में क्या महत्व है, इसके बारे में बताया। साध्वी बोधिप्रभाजी ने अणुव्रत है सोया संसार गीत की प्रस्तुति दी।

कन्या मण्डल की सदस्याओं द्वारा मंगलाचरण किया गया। साध्वीश्री की प्रेरणा से पचरंगी तपस्या में एक से पांच तक की तपस्या करने वाले तपस्वियों को प्रत्याख्यान कराया गया। सुश्री हर्षिता गोटावट ने 11 दिनों की तपस्या सुखसाता पूर्वक संपन्न हुई। सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़, तेयुप के अध्यक्ष विक्रम महेर, महिला मंडल की अध्यक्ष मंजु बोथरा व अन्य संस्थाओं के पदाधिकारीगण व अन्य श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति थी। सभा के मंत्री गुलाब बाँठिया ने आगे के कार्यकम की विस्तृत जानकारी दी। स्थनीय अणुव्रत समिति के सदस्यों ने अणुव्रत चेतना दिवस के उपलक्ष्य में आरआरनगर तेरापंथ भवन में विराजित साध्वीश्री पुण्ययशाजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

इस मौके पर समिति के सचिव लांभेश कांसवा, उपाध्यक्ष चन्द्रशेखरया, सहमंत्री सुरेश चावत आदि उपस्थित थे। इस मौके पर कौशलमल लोढ़ा को अणुव्रत समिति के अंतर्गत आरआर नगर संयोजक के रूप में नियुक्ति की। 14 व्यक्तियों ने अणुव्रत के संकल्प ग्रहण किए एवं सदस्यता ग्रहण की।

चारों वर्णों के लोगों को अपनाया था प्रभु महावीर ने : आचार्य विमलसागरसूरी

श्रद्धा-भक्ति से मनाया महावीर स्वामी का जन्मोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। पर्युषण महापर्व के पांचवें दिन स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान धर्मग्रंथ कल्पसूत्र की महावीर कथा के आधार पर रविवार को यहां पार्श्व बुद्धि वीर वाटिका में चौबीसवें तीर्थंकर महावीरस्वामी का जन्मोत्सव अत्यंत हर्ष-उल्लास से मनाया गया। स्थानीय व आसपास के क्षेत्रों के हजारों श्रद्धालु सजधजकर इस उत्सव में सम्मिलित हुए। रजत के महावीरस्वमी के झूले की स्थापना की गई। सभा में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि भगवान महावीर दुनिया को दुःखों से मुक्ति दिलाने आए थे। मगध की भूमि के इस राजपुत्र ने सभी जाति-वर्गों के भेदभावों से ऊपर उठकर समग्र मानवता के कल्याण का उपदेश दिया। अपनी परंपरा में उन्होंने मात्र वैश्य, क्षत्रिय और ब्राह्मण ही नहीं, क्षुद्र-दलितों को भी सम्मिलित कर मानवीय इतिहास में क्रांतिकारी कदम उठाया था। हरिजन व दलित परिवार के मुनि मेतारज और मुनि हरिकेशी को अपने संघ में सम्मिलित कर वर्धमान महावीर ने समानता का अद्भुत आदर्श प्रस्तुत किया था। बारह वर्षों का उनका संपूर्ण साधना काल तपस्या, धीरता और सहनशीलता में बीता। अहिंसा और क्षमा उनकी साधना के प्राणबिंदु थे। अपकारी के प्रति भी उन्होंने उपकार की वर्षा की। प्रतिकार, तिरस्कार और वैमनस्य उनके जीवन से सर्वथा परे थे। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि महावीर ने अहिंसा, क्षमा, अपरिग्रह और अनेकांतवाद के जो सिद्धांत दिये हैं, वे विश्वशांति की आधारशिला बन सकते हैं। विनाश के कगार पर खड़ी दुनिया अपने अस्तित्व की शायद यह आखरी लड़ाई लड़ रही है। चारों ओर हिंसा, युद्ध व अनैतिकता का वातावरण जोर पकड़ता जा रहा है। ऐसी स्थिति में महावीरस्वामी के उपदेशों पर दुराग्रह मुक्त चिंतन होना चाहिए। महावीरस्वामी को मात्र जैनधर्म के तीर्थंकर के रूप में नहीं, देश, काल और संप्रदायों की सीमा से ऊपर उठकर समझा जाना चाहिए। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि रविवार को देश-विदेश में करीब पैंतालीस हजार से अधिक स्थानों पर महावीरस्वामी का जन्मोत्सव मनाया गया।

प्रभु जन्म से जन्म-मरण के बंधन को तोड़ने का संकल्प लेना चाहिए : आचार्य अरिहंतसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

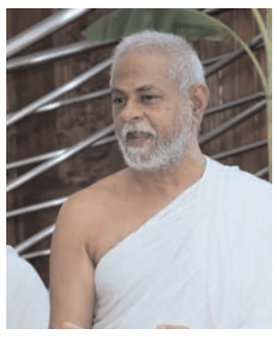

बेंगलूरु। शहर के माधवनगर स्थित वासुपूज्य स्वामी जैन मंदिर में पर्युषण पर्व की आराधना कार्यक्रम में प्रवचन देते हुए आचार्य अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने अपने प्रातःकालीन प्रवचन में पर्युषण पर्व के पाँचवें दिन चौदह स्वप्नों का शास्त्रीय विवेचन किया। उन्होंने बताया कि पुष्पमाला, चंद्र, सूर्य, ध्वज, पूर्णकलश, पद्मसरोवर, रत्नाकर, देवविमान, रत्नराशि और निर्धूम अग्नि जैसे स्वप्न भविष्य के महान व्यक्तित्व का संकेत करते हैं। इन स्वप्नों का केवल दार्शनिक महत्व ही नहीं, बल्कि इनके माध्यम से प्राचीन परंपरा, कुलाचार और जीवन-दर्शन की अनेक गूढ़ शिक्षाएँ भी प्राप्त होती हैं।

आचार्यश्री ने स्पष्ट किया कि प्रभु महावीर ने गर्भावस्था में ही माता-पिता के प्रति विनय और आज्ञापालन का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया।

जब माता त्रिशला ने गर्भस्थ शिशु की गतिविधियों के न होने से चिंता व्यक्त की, तब प्रभु ने संकल्प लिया कि जब तक मेरे माता-पिता जीवित हैं, तब तक मैं संयम नहीं ग्रहण करूंगा। यह केवल मातृ-पितृ भक्ति का प्रतीक नहीं था, बल्कि समाज को यह शिक्षा देने का सशक्त माध्यम था कि संतान का प्रथम धर्म अपने माता-पिता के प्रति सम्मान और कर्त्तव्य-पालन है। ङ्कदोपहर के प्रवचन में आचार्यश्री ने भगवान महावीर के जन्म कल्याणक का विस्तृत वर्णन किया।

आचार्यश्री ने कहा कि सामान्य जन्म तो मोह कर्म के उदय का परिणाम है, किंतु तीर्थंकर का जन्म आत्माओं के कल्याण का कारण बनता है। इसीलिए प्रभु के च्यवन, जन्म, दीक्षा, केवलज्ञान और निर्वाण, इन पाँच महोत्सवों को कल्याणक कहा जाता है। अंत में आचार्यश्री ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि महावीर प्रभु के जन्म की महिमा केवल सुनने भर से नहीं, बल्कि उससे प्रेरणा लेकर हमें भी जन्म-मरण के बंधन को तोड़ने का संकल्प करना चाहिए, तभी पर्युषण पर्व का सच्चा लाभ प्राप्त होगा।

लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संयम चेतना जरूरी : साध्वी सोमयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । शहर के तेरापंथ भवन यशवंतपुर में साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य में मेवाड़ भवन में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व का पांचवा दिन अणुव्रत चेतना दिवस के रूप में मनाया गया।

साध्वी सोमयशाजी ने कहा कि लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संयम चेतना का विकास अपेक्षित है। तेले के अनुष्ठान का जैन धर्म में बहुत महत्व है। भगवान महावीर के सोलहवें भव में किए गए निदान की व्याख्या करते हुए कहा कि तप के निदान से करोड़ रूपए का मूल्य कोडी में रह जाता है। साध्वी डा सरलयशाजी ने अणुव्रत दिवस पर कहा कि आत्मविशुद्धि के ग्राफ को अगर ऊंचा रखना है तो संयम की अपेक्षा है।

साध्वी ऋषिप्रभाजी ने संचालन करते हुए कहा कि अणुव्रत वह छोटे छोटे नियम हैं जिन्हें जैन अजैन सभी ग्रहण कर सकते हैं।

यशवंतपुर कन्या मंडल द्वारा 'हमारी जीवनशैली में अणुव्रत के प्रभाव से आने वाले बदलाव को' एक संवाद द्वारा प्रस्तुत किया गया। ज्ञानशाला ज्ञानार्थियों एवं प्रशिक्षिकाओं ने आचार्यश्री तुलसी की झांकी प्रस्तुत की।

साध्वीश्री सोमयशाजी ने करीब 30 किशोर व कन्याओं को अणुव्रत के संकल्प करवाए। समण संकाय यशवंतपुर के केन्द्र व्यवस्थापक सुनील बाबेल ने जैन विद्या के परीक्षा की जानकारी दी। सभाध्यक्ष सुरेशकुमार बरड़िया ने स्वागत किया।

सभा के मंत्री अनिल दक ने रात्रिकालीन कार्यक्रम की जानकारी दी।

धर्म के फल की चाह करना भी अनुचित है : साध्वी इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित पर्युषण पर्व के अवसर पर साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि धार्मिक आयोजन और धर्म स्थानों में त्यागी तपस्वियों को सर्वोच्च सम्मान और स्थान मिलना चाहिए। ऐसे व्यक्तियों को स्थान प्रदान करना भी त्याग है। धर्म के प्रत्येक कार्य में अपना समर्थन और सहयोग होना चाहिए। आगम में श्रीकृष्ण का वर्णन आता है कि उन्होंने दीक्षा लेने वालों के परिवारों की पूरी जिम्मेदारी ली। धर्म के कार्य में हम भी विलंब न करें और अपने संकल्प को और मजबूत करें। धर्म के फल की चाह करना भी अनुचित है। चाह करना स्वार्थ है।भक्ति में माया झूठ कुछ नहीं होना चाहिए। मात्र समर्पण होना चाहिए।ङ्कप्रवचन सभा में आचार्यश्री शुभचंद्र जी के सातवें पुण्य स्मृति दिवस पर गुणानुवाद करते हुए साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि श्रद्धा सुमन तभी सार्थक होते हैं जब हम अपने जीवन में कुछ सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं। आज हमारे सामाजिक समारोह में खान पान की शुद्धता संशय के दायरे में आ गई है।

जैसा अन्न खाएंगे, हमारा मन और चिंतन भी वैसा होगा। हम संकल्प लें कि खाना बनाने और परोसने वाले सात्विक हों। आचार्य शुभचंद्र जी भक्तों के लिए भगवान सम थे। उनका जीवन सजगता, सरलता और संयम का परिचायक था। लंबे समय से वे समाधि यात्रा को समर्पित थे। जीवन काल में ही उन्होंने अपने को पद मुक्त कर लिया था और शरीर की व्याधियों को समभाव से सहन किया था। इस अवसर पर करीब एक सौ बच्चों सहित अनेक बच्चों ने एकासन तप किया। जयमल महिला मंडल ने गीत प्रस्तुत किया। संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए जानकारी दी। अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com